INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त-134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-258 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, गुरुवार, 12 नवंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

ऋण के सहारे पसंद का कारोबार करेंगी समूह की महिलाएं

इला साफ्टवेयर से की जाएंगी चिन्हित, मिलेगा एक से पांच लाख तक का ऋण

दो लाख से अधिक राशन कार्ड धारक ग्रामीण महिलाओं को जोड़ा जाएगा समूह से

यूनिक समय, मथुरा। समूह से जुड़ी महिलाओं को पसंद का कारोबार करने को ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। एला साफ्टवेयर महिलाओं



के आवेदन को चिन्हित करके बैंकों को भेजेगा, जिससे इन महिलाओं को पसंद का कारोबार करने के लिए एक लाख से पांच लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जा सके। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाली करीब 2.30 लाख और महिलाओं को समूह से जोड़ने का भी काम होगा।

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वतः रोजगार उपायुक्त इंद्रपाल सिंह ने बताया कि बीते दिनों जिले के जिला मिशन प्रबंधक और ब्लाक मिशन प्रबंधकों को इला साफ्टवेयर से संबंधित प्रशिक्षण लखनऊ में दिया गया है, इसमें इला के बारे में और ग्रामीण महिलाओं को समूह से जोड़ने की बात समझाई गई है। उन्होंने बताया कि जिले में समूह से जुड़ी महिलाओं को पसंद का कारोबार करने के लिए के लिए एक लाख से पांच लाख रुपये का ऋण दिलवाया जाएगा, इसके लिए अभी लक्ष्य नहीं आया है।

उन्होंने बताया कि पसंद का कारोबार करने वाली महिलाएं इला साफ्टवेयर पर आवेदन करेंगी, जहां इनकी श्रेणी बनाकर आवेदन संबंधित बैंकों को भेजे जाएंगे। बैंक भेजे गए आवेदन को सीबीएस से जोड़ने के बाद चेक किया जाएगा। बेहतर कारोबार से जुड़े आवेदन का बैंक स्वीकार करेगा, इसके बाद ऋण दिलवाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इसके लिए पसंद का कारोबार करने वाली महिलाओं को बैंक सखी प्रशिक्षण भी देंगी।

इस साल 3.30 लाख महिलाएं जुड़ेंगी समूह से

जिले में बीते वित्तीय वर्ष तक करीब 66 सौ समूह गठित हो चुके थे, जिनसे ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली करीब 66000 हजार महिलाएं जुड़ी थीं। अब इस वित्तीय वर्ष के लिए शासन से करीब 15313 और महिला समूह बनाने का लक्ष्य राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को मिला है। मिशन के अधिकारी अब तक जिले में एक लाख महिलाओं को समूहों से जोड़ चुके हैं। अब 2.30 लाख और महिलाओं को समूह से जोड़ना बाकी है। समूह से जोड़ी जा ही यह महिलाएं पात्र गृहस्थी और अंत्योदय कार्ड धारक हैं। इन महिलाओं को स्वरोजगार कराया जाएगा।

ग्रामीण महिलाओं के जीवन में आएगा बदलाव

इस वित्तीय वर्ष में ग्रामीण क्षेत्र की पात्र गृहस्थी और अंत्योदय कार्ड धारक महिलाओं को समूह से जोड़ने का काम चल रहा है। मिशन के अधिकारी पात्र गृहस्थी और अंत्योदय कार्ड धारक करीब एक लाख महिलाओं को समूह से जोड़ चुके हैं, बाकी को समूह से जोड़ने का काम जारी है। इला साफ्टवेयर से महिलाएं पसंद का कारोबार करने का काम करेंगी।

-डॉ. पूजा गुप्ता, सीडीओ।

नगर आयुक्त के औचक निरीक्षण में खुली पोल

गैरहाजिर कर्मचारियों पर गिरी गाज

कंप्यूटर ऑपरेटरों का वेतन रोकने और लिपिक को नोटिस के निर्देश, तीन कर्मचारियों को सेवा से हटाने की कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम में कर्मचारियों की लापरवाही और कार्यप्रणाली की हकीकत उस समय सामने आई, जब नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने गुरुवार को जनरल गंज स्थित सिटी जोन कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। जन्म-मृत्यु कार्यालय से लेकर जलकल विभाग तक खामियां मिलने पर नगर आयुक्त ने कड़ी नाराजगी जताई। अनुपस्थित कर्मचारियों का वेतन काटने, लिपिक और कंप्यूटर ऑपरेटर को नोटिस देने और तीन कर्मचारियों को सेवा से हटाने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने सबसे पहले जन्म-मृत्यु कार्यालय का निरीक्षण किया। यहां



निरीक्षण के दौरान गड़बड़ी मिलने पर लिपिक से उत्तर मांगते नगर आयुक्त ओजस्वी राज।

बिना पूर्व सूचना के कंप्यूटर ऑपरेटर अनुपस्थित मिले। इस पर संबंधित कर्मचारियों का 12 नवंबर का वेतन काटने और नवंबर माह का वेतन बाधित करने के निर्देश दिए। प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया और समय-सीमा के संबंध में पूछताछ करने पर उपस्थित लिपिक संतोषजनक जानकारी नहीं दे सके।

कार्यालय में अनाधिकृत व्यक्तियों की मौजूदगी भी मिली। अभिलेखों और रजिस्टरों की जांच में अनियमितताएं सामने आने पर संबंधित लिपिक को नोटिस जारी करने और नवंबर का वेतन बाधित करने के निर्देश दिए।

इसके बाद नगर आयुक्त ने जलकल कार्यालय में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की।

एक शिकायत पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने की जानकारी मिलने पर उन्होंने स्वयं शिकायतकर्ता को फोन कर वास्तविक स्थिति जानी। शिकायतकर्ता ने अब तक कार्रवाई नहीं होने की बात बताई।

इस पर कंप्यूटर ऑपरेटर रवि कुमार को नोटिस जारी करने और शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उपस्थिति में गड़बड़ी पर दो कर्मचारियों पर कार्रवाई

उपस्थिति रजिस्टर की जांच में केजेएल कंपनी का कर्मचारी कान्हा अनुपस्थित मिला, जबकि उसकी उपस्थिति भीमसेन ने दर्ज की थी। इस अनियमितता पर दोनों कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त करने और संबंधित कंपनी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। वहीं प्रकाश विभाग के ड्राइवर ओमवीर सिंह पर पुलिसकर्मी के साथ अभद्र भाषा और असभ्य व्यवहार करने की शिकायत मिलने पर उसे भी सेवा से हटाने के निर्देश दिए।

खिलौनों के गोदाम में भीषण आग

लाखों का सामान जलकर राख



लक्ष्मीनगर मोड़ के समीप खिलौनों के गोदाम में लगी आग को बुझाती दमकल।

यूनिक समय, मथुरा। थाना यमुनापार क्षेत्र में लक्ष्मीनगर मोड़ के समीप दाऊ जी रोड पर गुरुवार सुबह खिलौनों के गोदाम में भीषण आग लग गई। गोदाम से उठती आग की लपटों और धुएं के गुबार से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आसपास रहने वाले परिवारों में दहशत फैल गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की चार दमकलों ने एक घंटे से अधिक की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अग्निकांड में लाखों रुपये का सामान जलकर राख होने का अनुमान है।

लक्ष्मीनगर मोड़ के समीप अग्रवाल खिलौना वालों का गोदाम है। इसमें बड़ी मात्रा में प्लास्टिक के खिलौने, प्लास्टिक और गत्ते का अन्य सामान रखा हुआ था। गुरुवार सुबह करीब पौने सात बजे गोदाम से धुआं उठता दिखाई दिया।

कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया और गोदाम से ऊंची लपटें उठने लगीं। आग की भयावहता देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

चार दमकलों ने एक घंटे से अधिक की मशक्कत के बाद पाया काबू, शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। गोदाम में प्लास्टिक और गत्ते का सामान अधिक होने के कारण आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। आग की गंभीरता को देखते हुए चार दमकलों को लगाया गया। एक घंटे से अधिक की कोशिश के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

फायर ब्रिगेड के एसएसआई किशन लाल ने बताया कि आग की सूचना पर दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया। आग की भीषणता को देखते हुए चार दमकलों की मदद लेनी पड़ी। प्रथम दृष्टया बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। आग लगने के वास्तविक कारण और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

त्यौहार पर रोडवेज की कमाई ने तोड़ा पिछले साल का रिकॉर्ड

दीपावली पर छह दिन में कमाए 2 .02 करोड़ रुपये

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली पर घर पहुंचने की यात्रियों की होड़ ने रोडवेज की कमाई को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया। यात्रियों की बढ़ती संख्या के बीच मथुरा डिपो ने पिछले साल का राजस्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। खास बात यह रही कि इस बार पिछले साल की तुलना में एक बस कम संचालित होने के बावजूद छह दिनों में दो करोड़ रुपये से अधिक की आय हुई। परिवहन निगम को इस बार 6.81 लाख रुपये से अधिक का अतिरिक्त राजस्व मिला।

परिवहन निगम के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में छह से 11 नवंबर तक दीपावली के दौरान मथुरा



डिपो की 188 बसों का संचालन किया गया था। इन बसों से निगम को एक करोड़ 96 लाख 15 हजार रुपये की आय हुई थी।

वहीं इस वर्ष छह से 11 नवंबर तक 187 बसों का संचालन किया गया। इसके बावजूद डिपो ने दो करोड़ दो लाख 96 हजार 77 रुपये का राजस्व अर्जित किया।

दोनों वर्षों के आंकड़ों की तुलना करें तो इस बार निगम की आय में छह लाख 81 हजार 77 रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह पिछले वर्ष की अपेक्षा करीब 3.47 प्रतिशत अधिक है। एक बस कम होने के बावजूद आय में बढ़ोतरी यात्रियों की अधिक आवाजाही को दर्शाती है।

दरअसल, दीपावली पर बड़ी संख्या में लोग अपने परिवार के साथ त्योहार मनाने के लिए घरों का रुख करते हैं। मथुरा से दिल्ली, आगरा, अलीगढ़, हाथरस, जयपुर और बरेली समेत विभिन्न मार्गों पर यात्रियों की आवाजाही बढ़ गई थी। बसों में यात्रियों का दबाव बढ़ने का सीधा असर रोडवेज की आमदनी पर पड़ा। छह दिनों के आंकड़े बताते हैं कि यात्रियों की बढ़ती संख्या ने परिवहन निगम की कमाई को पिछले साल से आगे पहुंचा दिया।

पिछले साल से 6.81 लाख रुपये अधिक राजस्व बसों की संख्या एक कम

अंदर के पेजों की प्रमुख खबरें



लखनऊ की गुटखा फैक्ट्री में भीषण आग,लाखों का सामान जलकर राख
पेज-10 पर



एक मिनट की आवाज से तैयार हो रहा क्लोन, एआई से ठगी का नया जाल
पेज-12 पर

कल से शुरू होगा छठ महापर्व घाटों पर तैयारियां तेज



यमुना किनारे अड्डा घाट पर तैयारी कराते पूर्वांचल समिति के पदाधिकारी।



यमुना नदी से गंदगी निकालता श्रद्धालु।

यूनिक समय, मथुरा। सूर्योपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ शुक्रवार से नहाय-खाय के साथ शुरू होगा। पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। यमुना किनारे अड्डा घाट पर अर्घ्यदान की तैयारियां शुरू हो गई हैं। श्रद्धालु घाटों पर पूजा स्थल चिन्हित करने के साथ सजावट में जुटे हैं।

छठ महापर्व में भगवान सूर्य और छठी मैया की आराधना की जाती है। संतान की सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना के साथ महिलाएं कठिन व्रत रखती हैं। पर्व के पहले दिन नहाय-खाय की परंपरा निभाई जाएगी। व्रती महिलाएं स्नान के बाद पूरी शुद्धता और सात्विकता के साथ लौकी की सब्जी, चने की दाल और चावल का प्रसाद ग्रहण करेंगी। भोजन तैयार करने में स्वच्छता और शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

शनिवार को खरना के साथ निर्जला व्रत का संकल्प लिया जाएगा। शाम को गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद तैयार कर भगवान सूर्य को अर्पित किया जाएगा। इसके बाद व्रती महिलाएं करीब 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू करेंगी। रविवार शाम को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। सोमवार सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ व्रत का पारण होगा।

नहाय-खाय से चार दिवसीय अनुष्ठान का होगा शुभारंभ, अर्घ्यदान के लिए अड्डा घाट पर जुटे श्रद्धालु

चार दिवसीय छठ महापर्व का कार्यक्रम

13 नवंबर : नहाय—खाय
14 नवंबर : खरना
15 नवंबर : अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य
16 नवंबर : उदीयमान सूर्य को अर्घ्य और व्रत पारण।

अड्डा घाट पर शुरू हुईं तैयारियां

महापर्व को लेकर यमुना किनारे अड्डा घाट पर तैयारियां दिखाई देने लगी हैं। श्रद्धालु पूजा के लिए स्थान निर्धारित कर रहे हैं। घाट पर साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी प्रयास किए जा रहे हैं। पर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में घाट पर सुरक्षा, प्रकाश और स्वच्छता की व्यवस्था महत्वपूर्ण रहेगी। पूर्वांचल समिति के अध्यक्ष बीके सिंह ने बताया कि आराधना के लिए यमुना किनारे अड्डा घाट पर तैयारी की गई है।



ठंड की दस्तक के साथ बांके बिहारी की सेवा में बदलाव, शॉल धारण कराई



यूनिक समय, वृंदावन। मौसम में ठंडक बढ़ने के साथ ही आराध्य ठाकुर बांके बिहारी की सेवा में भी बदलाव शुरू हो गया है। मंदिर में दीपावली के दौरान शीतकालीन सेवा का शुभारंभ कर दिया गया है। सेवायत गोस्वामियों ने ठाकुर जी को शॉल धारण कराई है। साथ ही भोग में गर्म तासीर वाले पदार्थ शामिल किए जाने लगे हैं।

शीतकालीन सेवा के तहत ठाकुर जी को केसर युक्त गर्म दूध, विभिन्न प्रकार के मेवे और पौष्टिक पदार्थों का भोग अर्पित किया जा रहा है। इसके अलावा हिना और केसर युक्त तेल से मालिश करने की परंपरा का भी निर्वहन किया जा रहा है। सेवायत गोस्वामी परिवार पीढ़ियों से चली आ रही इस सेवा परंपरा को पूरी श्रद्धा और निष्ठा के साथ निभाता आ रहा है।

गर्म दूध, मेवे और केसर युक्त भोग से हो रही सेवा सर्दी बढ़ने पर रजाई कंबल भी ओढ़ेंगे ठाकुर जी

जैसे-जैसे सर्दी बढ़ेगी, वैसे-वैसे ठाकुर जी की सेवा में भी बदलाव होता जाएगा। उन्हें शॉल के साथ गर्म वस्त्र धारण कराए जाएंगे। कड़ाके की ठंड में कंबल और रजाई की व्यवस्था भी होगी। सर्दियों के अनुकूल विशेष पोशाक धारण कराकर ठाकुर जी की सेवा की जाएगी। वृंदावन के मंदिरों में मौसम के अनुसार ठाकुर विग्रह की सेवा में बदलाव की यह परंपरा ब्रज की समृद्ध सेवा संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है।

जनरल गंज नगर निगम परिसर में बनेगी मल्टीलेवल पार्किंग



जनरल गंज स्थित नगर निगम कार्यालय का औचक निरीक्षण करते नगर आयुक्त ओजस्वी राज।

यूनिक समय, मथुरा। शहर की पार्किंग समस्या के समाधान और नगर निगम की संपत्तियों के बेहतर उपयोग की दिशा में जनरल गंज स्थित नगर निगम कार्यालय परिसर का पुनर्विकास किया जाएगा। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने परिसर का स्थलीय निरीक्षण कर मल्टीलेवल पार्किंग और व्यावसायिक गतिविधियों की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने भवन की छत पर पहुंचकर इंफ्रास्ट्रक्चर, वर्तमान स्थिति, उपलब्ध भूमि और परिसर के क्षेत्रफल का जायजा लिया। उन्होंने पुराने-अनुपयोगी भवनों की स्थिति देखते हुए आवश्यकतानुसार ध्वस्तीकरण की संभावनाओं पर विचार किया। उन्होंने

व्यावसायिक उपयोग की भी तैयारी

नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने किया निरीक्षण

अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिसर के पुनर्विकास की कार्ययोजना तैयार की जाए। इसमें पुराने भवनों का मलबा हटाकर भूमि समतल करने और उपलब्ध जगह का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के विकल्प शामिल किए जाएं। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार और मुख्य अभियंता निर्माण संजय सिंह उपस्थित रहे।

अंडर-16 क्रिकेट चैंपियन बनने पर सीएई अकादमी में जश्न



क्रिकेट चैंपियन बनने पर ट्राफी के साथ खुशी मनाते खिलाड़ी।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (एमडीसीए) की अंडर-16 क्रिकेट चैंपियनशिप का खिताब जीतने पर सीएई क्रिकेट अकादमी में जश्न मनाया गया। अकादमी की ओर से विजेता खिलाड़ियों के सम्मान और उत्साहवर्धन के लिए विशेष पार्टी आयोजित की गई। इसमें खिलाड़ियों ने एक साथ फिल्म 'रामायण' का आनंद लिया और इसके बाद जीत की खुशी साझा की।

कार्यक्रम में पूर्व रणजी ट्रॉफी क्रिकेटर-बीसीसीआई क्वालिफाइड कोच जगदीश अग्रवाल, सीएई अंडर-16 टीम के कप्तान गौरव तंवर, कोचिंग स्टाफ और अकादमी के सभी खिलाड़ी-कर्मचारी मौजूद रहे। इस अवसर पर जगदीश अग्रवाल ने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत और

रणजी क्रिकेटर जगदीश अग्रवाल ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह, फिल्म देखकर मनाई जीत की खुशी

उपलब्धि को सम्मान देना जरूरी है। टीम की सफलता के पीछे खिलाड़ियों का अनुशासन, समर्पण और कोचिंग स्टाफ का निरंतर मार्गदर्शन है। अकादमी का प्रयास है कि खिलाड़ियों को मैदान के भीतर बेहतर क्रिकेटर बनाने के साथ मैदान के बाहर भी सकारात्मक माहौल मिले।

उन्होंने कहा कि अकादमी भविष्य में भी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करती रहेगी। आयोजन ने खिलाड़ियों को जीत का जश्न मनाने के साथ आपसी एकता और टीम भावना मजबूत करने का अवसर दिया।

कंस वध मेले को चमकने लगीं चतुर्वेदी समाज की परंपरागत लाठियां



कंस वध को लाठी तैयार करते चतुर्वेदी समाज के बंधु।

19 नवंबर को मथुरा में सजेगा ऐतिहासिक मेला पीढ़ियों पुरानी परंपरा को लेकर समाज में उत्साह

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की कंस पर विजय की स्मृति में आयोजित होने वाले ऐतिहासिक कंस वध मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं। 19 नवंबर को मथुरा में आयोजित होने वाले इस मेले को लेकर श्री माथुर चतुर्वेद परिषद और चतुर्वेदी समाज में खासा उत्साह है।

मेले की पहचान बन चुकी परंपरागत लाठियों को चमकाने और तैयार करने का काम भी शुरू हो गया है।

चतुर्वेदी समाज के लोग अपनी पीढ़ियों पुरानी परंपरा को निभाने के लिए लाठियों पर तेल लगाकर उनकी साफ-सफाई और रखरखाव में जुटे हैं। मेले में इन लाठियों के साथ समाज के लोगों की सहभागिता आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहती है। यही वजह है कि मेले से पहले लाठियों को दुरुस्त करने की परंपरा पूरे उत्साह के साथ निभाई जाती है।

कंस के अत्याचार से मुक्ति का प्रतीक है मेला

धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने अत्याचारी कंस का वध कर मथुरा की जनता को उसके आतंक से मुक्ति दिलाई थी। इसी विजय प्रसंग की स्मृति में प्रतिवर्ष कंस वध मेले का आयोजन किया जाता है। श्रीकृष्ण महोत्सव के तहत होने वाले इस आयोजन में चतुर्वेदी समाज की विशेष भागीदारी रहती है। समाज के लोग मेले की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

छुट्टियों के बाद भी सरकारी दफ्तरों से नदारद रहे अधिकारी-कर्मचारी

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली की छुट्टियां समाप्त होने के बाद गुरुवार को सरकारी कार्यालय तो खुल गए, लेकिन कामकाज की रफ्तार नहीं लौट सकी। जिले के अधिकांश सरकारी दफ्तरों में अधिकारियों और कर्मचारियों की कुर्सियां खाली नजर आईं। अपनी शिकायतों और जरूरी कामों के लिए पहुंचे फरियादियों को जिम्मेदार अधिकारियों का इंतजार करना पड़ा। कई कार्यालयों में सन्नाटा पसरा रहा तो कहीं अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में

कई दिन बाद खुले कार्यालयों में पसरा रहा सन्नाटा, खाली कुर्सियां देख मायूस लौटे फरियादी

व्यस्त दिखाई दिए।

कई दिन की छुट्टियों के बाद गुरुवार को कार्यालय खुलने पर लोगों को उम्मीद थी कि उनके लंबित कामकाज निपट सकेंगे। इसी उम्मीद में सुबह से ही फरियादी अलग-अलग विभागों में पहुंचने लगे, लेकिन कार्यालयों का नजारा देखकर उन्हें निराशा हाथ लगी।

अधिकांश कमरों में अधिकारी और कर्मचारी अपनी सीटों से नदारद मिले। खाली कुर्सियां और सूने पड़े कार्यालय सरकारी कामकाज की सुस्ती बयां करते नजर आए।

कुछ कार्यालयों में एक-दो अधिकारी मौजूद मिले, लेकिन वे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में व्यस्त थे। अपनी शिकायत लेकर पहुंचे लोग बाहर बैठकर बैठक खत्म होने का इंतजार करते रहे। फरियादियों को उम्मीद थी कि छुट्टियों के बाद अधिकारी समय से कार्यालय पहुंचेंगे और लंबित कामकाज को प्राथमिकता देंगे, लेकिन कई विभागों में उन्हें सुनने वाला कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं मिला। छुट्टियों के बाद भी सरकारी दफ्तरों में सामान्य कामकाज बहाल न होने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ी।

जंक्शन के मुख्य प्रवेश द्वार पर सुधरेगी यातायात व्यवस्था

ऑटो-टैक्सी के लिए तय होंगे अलग स्थान

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार के सर्कुलेटिंग एरिया में जल्द ही यातायात व्यवस्था को दुरुस्त किया जाएगा। स्टेशन परिसर में यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने और आए दिन लगने वाले जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए रेलवे प्रशासन ने कवायद शुरू कर दी है। इसके लिए रेलवे के अधिकारियों के साथ जीआरपी और आरपीएफ के अधिकारी भी मंथन कर रहे हैं।

यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने के लिए स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार के आसपास ऑटो और टैक्सी के



खड़े होने के लिए अलग-अलग स्थान चिन्हित किए जाएंगे। इससे वाहनों की अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। साथ ही यात्रियों को स्टेशन से बाहर निकलने और अंदर प्रवेश करने में होने वाली परेशानी से भी राहत मिलेगी।

जंक्शन पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों का आवागमन होता है। ऐसे में मुख्य प्रवेश द्वार के सर्कुलेटिंग एरिया में ऑटो, टैक्सी और अन्य वाहनों की बेतरतीब आवाजाही के कारण कई बार यातायात बाधित हो जाता है। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। रेलवे, जीआरपी और आरपीएफ के अधिकारी आपसी समन्वय से इस समस्या का स्थायी समाधान तलाश रहे हैं। योजना के तहत वाहनों के लिए निर्धारित स्थान तय करने के साथ यातायात संचालन को भी व्यवस्थित किया जाएगा।

ट्रेन के समय बिगड़ जाती है व्यवस्था

लम्बी दूरी की ट्रेन के आने के समय सर्कुलेटिंग एरिया में हालात बिगड़ जाते है। सवारी बैठाने के प्रयास में ऑटो टैक्सी चालक वाहनों को आड़ा तिरछा खड़ा कर व्यवस्था को बिगाड़ देते हैं। जिसकी वजह से वाहन तो पैदल निकलने वालों को भी दिक्कत होती है। पार्किंग व्यवस्था अलग-अलग होने के बाद ऑटो टैक्सी अपनी सीमा में रहेंगे।

> “ मुख्य प्रवेशद्वार की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने पर विचार चल रहा है। ऑटो और टैक्सी के लिए अलग से पार्किंग के लिए स्थान चिन्हित किए जा रहे हैं।
>
> सुनील कुमार शर्मा, स्टेशन निदेशक



यातायात माह में ट्रैफिक पुलिस की सख्ती, सड़कों पर औचक चेकिंग

बिना हेलमेट और तीन सवारी वाले बाइक चालकों में मची खलबली, सीट बेल्ट नहीं लगाने वालों के भी चालान

यूनिक समय, मथुरा। यातायात माह के तहत ट्रैफिक पुलिस ने शहर की सड़कों पर चेकिंग अभियान तेज कर दिया है। नियमों की अनदेखी कर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को यातायात निरीक्षक शौर्य कुमार की टीम ने भूतेश्वर से कृष्णानगर जाने वाले मार्ग पर औचक चेकिंग की। पुलिस की अचानक कार्रवाई से वाहन चालकों में खलबली मच गई। कई वाहन चालकों के चालान किए गए।

यातायात निरीक्षक शौर्य कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मंदिर के समीप चेकिंग शुरू की। इस दौरान बिना हेलमेट, बिना नंबर प्लेट और बाइक पर तीन सवारी बैठाकर चलने वालों को रोककर कार्रवाई की गई। वहीं चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट नहीं लगाने वाले चालकों के भी चालान किए गए।



भूतेश्वर से कृष्णानगर मार्ग पर औचक चेकिंग करते यातायात निरीक्षक शौर्य कुमार।

यातायात निरीक्षक ने बताया कि शहर के प्रमुख चौराहों और मार्गों पर लगातार औचक चेकिंग की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। चेकिंग के दौरान कुछ बाइक सवार पुलिस टीम को देखकर आगे जाने के बजाय पीछे लौटते और अपनी बाइक वापस मोड़ते नजर आए।

बीदर-हजरत निजामुद्दीन स्पेशल ट्रेन का मथुरा जंक्शन पर होगा ठहराव

छठ पर्व पर यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे चलाएगा विशेष ट्रेन

यूनिक समय, मथुरा। छठ पर्व पर ट्रेनों में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने बीदर और हजरत निजामुद्दीन के बीच विशेष ट्रेन संचालित करने का निर्णय लिया है। इस विशेष ट्रेन का ठहराव मथुरा जंक्शन पर भी तय किया गया है। इससे दक्षिण भारत से दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में आने-जाने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी।

रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 07083 बीदर-हजरत निजामुद्दीन स्पेशल 19 नवंबर को सुबह 10 बजे बीदर से रवाना होगी। अगले दिन 20 नवंबर को शाम 5:25 बजे मथुरा जंक्शन पहुंचेगी। यहां पांच मिनट के ठहराव के बाद शाम 5:30 बजे आगे के लिए रवाना होगी। यह ट्रेन आगरा कैंट, धौलपुर, ग्वालियर, झांसी, भोपाल और नागपुर होते हुए रात 8:40 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी।

वापसी में ट्रेन संख्या 07084 हजरत निजामुद्दीन-बीदर स्पेशल 22 नवंबर को सुबह 10:30 बजे रवाना होगी। दोपहर 1:30 बजे मथुरा जंक्शन पहुंचेगी और पांच मिनट रुकने के बाद 1:35 बजे बीदर के लिए प्रस्थान करेगी। ट्रेन 24 नवंबर को सुबह चार बजे बीदर पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में इस ट्रेन का एक-एक फेरा संचालित किया जाएगा।

तेज रफ्तार कार ने बाइक में मारी टक्कर, चाचा-भतीजी गंभीर घायल

बरेली हाईवे पर हादसे में सड़क पर दूर जा गिरे दोनों, भतीजी की हालत नाजुक

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया क्षेत्र में बरेली हाईवे पर गांव केशोपुर के समीप तेज रफ्तार कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार चाचा-भतीजी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को राहगीरों की मदद से निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चारू की हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, कानपुर निवासी अजय अपनी भतीजी चारू पुत्री महेश चंद्र को बाइक से गांव पिरसुआ छोड़ने जा रहा था। बरेली हाईवे पर गांव केशोपुर के समीप पीछे से तेज गति से आई कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अजय और चारू उछलकर सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर राहगीरों और ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को उठाकर निजी अस्पताल पहुंचाया। चारू की गंभीर हालत की जानकारी मिलने पर पिरसुआ से उसके परिजन भी अस्पताल पहुंच गए।

सफर के दौरान कैंसर पीड़ित यात्री की मौत

यूनिक समय, मथुरा। महाकौशल एक्सप्रेस में सफर कर रहे कैंसर पीड़ित यात्री की मौत हो गई। यात्री को परिजन इलाज के लिए दिल्ली लेकर जा रहे थे। तबियत खराब होने के बाद परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जीआरपी ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ग्राम पंनवाड़ी जनपद महोवा निवासी 55 वर्षीय श्याम सुंदर पुत्र स्वामी दीप कैंसर की बीमारी से पीड़ित थे। परिजन उन्हें इलाज के लिए महाकौशल एक्सप्रेस से दिल्ली लेकर जा रहे थे। रात करीब दो बजे ट्रेन जंक्शन रेलवे स्टेशन पर रूकी तो श्याम सुंदर की तबियत बिगड़ गई। परिजन उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि कैंसर पीड़ित यात्री की तबियत खराब होने पर उसे परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शव को आवश्यक कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

सौ सैय्या अस्पताल में अज्ञात वृद्धा की मौत

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन स्थित सौ सैय्या अस्पताल में उपचार के दौरान एक अज्ञात वृद्धा की मौत हो गई। महिला की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस उसकी शिनाख्त कराने में जुटी है। पुलिस के अनुसार, अस्पताल से अज्ञात वृद्धा की उपचार के दौरान मौत होने का मेमो प्राप्त हुआ था। सूचना पर पुलिस अस्पताल पहुंची और शव का पंचनामा भरकर मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में महिला की पहचान कराने के प्रयास कर रही है।

करंट से झुलसा बंदर का बच्चा

यूनिक समय, मथुरा। शहर के झंडा चौराहे के पास गुरुवार शाम खुले बिजली पैनल की चपेट में आने से बंदर का बच्चा करंट से झुलस गया। घटना शाम करीब 5:30 बजे कच्ची सड़क के पास हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार बिजली पैनल लंबे समय से खुला पड़ा है। घटना के बाद क्षेत्रीय लोगों ने बिजली विभाग के खिलाफ नाराजगी जताई। लोगों का कहना है कि खुले पैनल से पशुओं के साथ राहगीरों को भी खतरा बना हुआ है। उन्होंने बिजली विभाग से पैनल को तत्काल सुरक्षित कराने और क्षेत्र के अन्य खुले पैनलों की जांच कराने की मांग की है।



पटाखों के धुएं ने बिगाड़ी सेहत जिला अस्पताल में मरीजों की भीड़



जिला अस्पताल में मरीजों को देखते हुए डॉ. रवि माहेश्वरी।



जिला अस्पताल में पर्चा बनवाने के लिए महिलाओं की लंबी लाइन

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली पर हुई आतिशबाजी का असर अब लोगों की सेहत पर दिखाई देने लगा है। पटाखों से निकले धुएं और बढ़े प्रदूषण के चलते खांसी, जुकाम, गले में दर्द और सांस लेने में परेशानी के मरीज बढ़ गए हैं। इसके साथ ही बुखार, पेट खराब होने और आंखों में जलन की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। जिला अस्पताल की फिजिशियन ओपीडी में मरीजों की संख्या 155 से बढ़कर 200 के पार पहुंच गई है।

मौसम में बदलाव के चलते और बढ़ा दी। पटाखों के धुएं का सबसे अधिक असर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों पर पड़ रहा है। कई लोग खांसी, गले में खराश और सांस लेने में दिक्कत की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। वहीं आंखों में जलन और पेट संबंधी समस्याओं के मरीजों की संख्या भी बढ़ी है।

गुरुवार को जिला अस्पताल की फिजिशियन ओपीडी में मरीजों की भीड़ रही। सामान्य दिनों में गुरुवार को अन्य दिनों की अपेक्षा मरीजों की संख्या कम रहती है, लेकिन दीपावली के बाद स्थिति बदल गई है। पहले फिजिशियन ओपीडी में प्रतिदिन करीब 155 मरीज पहुंचते थे, अब यह संख्या 200 के पार हो गई है। जिला अस्पताल के फिजिशियन डॉ. रवि माहेश्वरी ने बताया कि दीपावली पर पटाखे चलने से प्रदूषण बढ़ा है। इसके चलते सांस संबंधी परेशानियों के मरीज बढ़े हैं। पेट की समस्या और वायरल संक्रमण से पीड़ित लोग भी उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। वायरल के मरीजों की संख्या करीब 100 तक पहुंच रही है।

फिजिशियन ओपीडी में मरीजों की संख्या 155 से बढ़कर 200 पार

खांसी-जुकाम के साथ सांस और आंखों में जलन की शिकायतें बढ़ीं

दीपावली से पहले ही वायरल संक्रमण के मरीज अस्पताल पहुंच रहे थे। त्योहार पर हुई आतिशबाजी ने परेशानी

वायरल वीडियो से

बांके बिहारी के दरबार में दर्शन कराने पर भिड़े पुरोहित, सड़क बनी अखाड़ा



यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांके बिहारी के दरबार में श्रद्धालु दर्शन की आस लेकर पहुंचते हैं, लेकिन मंदिर मार्ग पर कुछ ऐसा नजारा दिखा कि हर कोई हैरान रह गया। श्रद्धालुओं को शॉर्टकट रास्ते से दर्शन कराने को लेकर दो तीर्थ पुरोहित आपस में भिड़ गए। पहले कहासुनी हुई, फिर विवाद ने देखते ही देखते मारपीट का रूप ले लिया। मंदिर का रास्ता कुछ देर के लिए जंग का अखाड़ा बन गया। इस दौरान वहां मौजूद श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी मच गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और मंदिर व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है।

ट्रेन से लटकी महिला के लिए आरपीएफ प्रभारी बने फरिश्ता



यूनिक समय मथुरा। मथुरा जंक्शन पर गुरुवार दोपहर एक बड़ा हादसा टल गया। चलती कलिंग उत्कल एक्सप्रेस में चढ़ने के प्रयास में एक महिला यात्री का संतुलन बिगड़ गया और वह ट्रेन के गेट से लटक गई। महिला की जान पर बनी देख आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक उपदेश कुमार कौशिक ने अपनी जान की परवाह किए बिना उसे सुरक्षित खींच लिया।

घटना प्लेटफॉर्म नंबर एक की है। बुधवार दोपहर 2:05 बजे ट्रेन संख्या 18478 कलिंग उत्कल एक्सप्रेस रवाना हो रही थी। त्योहार के चलते प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की भारी भीड़

उत्कल एक्सप्रेस में सवार होते समय लटक गई थी महिला यात्री

थी। इसी दौरान एस-3 कोच में चढ़ने का प्रयास कर रही महिला फिसलकर चलती ट्रेन के गेट से लटक गई। यह देखते ही ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ प्रभारी उपदेश कुमार कौशिक ने तत्परता दिखाते हुए महिला को पकड़कर सुरक्षित बाहर खींच लिया। गनीमत रही कि महिला को कोई चोट नहीं आई। उसे प्राथमिक उपचार की पेशकश भी की गई, लेकिन उसने मना कर दिया। घटना के दौरान यात्रियों ने एसीपी कर दी। बाद में सभी यात्रियों को सुरक्षित बैठाकर ट्रेन रवाना की गई। आरपीएफ प्रभारी के इस साहसिक कदम की यात्रियों ने जमकर सराहना की।

आरपीएफ थाना प्रभारी निरीक्षक यूके कौशिक ने बताया कि क्षण भर की देरी होती तो महिला ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच फंस जाती। उन्होंने बिना समय गंवाए उसे खींच लिया। महिला बिना नाम पता बताए ट्रेन में सवार होकर चली गई।

पटवारी से कानूनगो बने नितिन चतुर्वेदी, मंदिर में हुआ सम्मान



यूनिक समय, मथुरा। नितिन चतुर्वेदी के पटवारी से पदोन्नत होकर कानूनगो बनने पर श्री दीर्घ विष्णु मंदिर सेवा संस्थान की ओर से मंदिर परिसर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। चतुर्वेदी समाज में कानूनगो बनने वाले नितिन पहले व्यक्ति हैं। उनकी इस उपलब्धि पर समाज के लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

मंदिर के सेवायत महंत कान्ता नाथ चतुर्वेदी सरदार ने नितिन को पटका पहनाकर सम्मानित किया और भगवान श्री दीर्घ विष्णु का प्रसाद भेंट किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की मेहनत, लगन और योग्यता से हासिल

चतुर्वेदी समाज के पहले कानूनगो बनने पर श्री दीर्घ विष्णु मंदिर सेवा संस्थान ने किया अभिनंदन

उपलब्धियां समाज के अन्य लोगों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं।

मंदिर के मार्गदर्शक-महामंडलेश्वर श्री चित्रगुप्त पीठ के सुरेशानंद ने नितिन को आशीर्वाद दिया। संस्थान के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामदास चतुर्वेदी, महामंत्री बालकृष्ण चतुर्वेदी और कोषाध्यक्ष लालकृष्ण चतुर्वेदी ने भी पटका पहनाकर बधाई दी।

गैंगस्टर एक्ट के दो वांछित गिरफ्तार

यूनिक समय, वृंदावन। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत वृंदावन पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों को उनके घरों से दबिश देकर पकड़ा। उनके खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान धर्मेंद्र पुत्र राजपाल निवासी आशापुरम कॉलोनी, थाना हाईवे और अनिकेत पुत्र मोहन सिंह निवासी इंद्रपुरी, गोवर्धन चौराहा के रूप में हुई है। दोनों को 11 नवंबर की रात करीब 11 बजे उनके घरों से

धर्मेंद्र पर पांच और अनिकेत पर तीन मुकदमे दर्ज

गिरफ्तार किया गया।

दोनों के खिलाफ वृंदावन थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज था और वे वांछित चल रहे थे। पुलिस के मुताबिक, धर्मेंद्र के खिलाफ लूट और गैंगस्टर एक्ट सहित पांच मुकदमे दर्ज हैं, जबकि अनिकेत के खिलाफ तीन आपराधिक मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। पुलिस दोनों अभियुक्तों को जेल भेजने की कार्रवाई में जुटी है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार वृद्ध की मौके पर मौत

यूनिक समय, सौंख। थाना मगोर्रा क्षेत्र में मथुरा-भरतपुर मार्ग पर कोका कोला फैक्ट्री के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार वृद्ध की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, भरतपुर जिले के बयाना क्षेत्र के गांव तिरखा निवासी रामशरण धाकड़ गुरुवार को बाइक से मथुरा आ रहे थे। मथुरा-भरतपुर मार्ग पर कोका कोला फैक्ट्री के समीप तेज गति से आए अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वृद्ध सड़क पर गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पहुंची मगोर्रा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि के पक्षकार को इंस्टाग्राम पर जान से मारने की धमकी



यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद से जुड़े पक्षकार कौशल किशोर को इंस्टाग्राम पर जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। धमकी भरे संदेशों में भगवान को बम से उड़ाने और 15 मिनट के लिए पुलिस हटाने की चुनौती दी गई है। मामले को गंभीर बताते हुए कौशल किशोर ने एसएसपी कार्यालय पहुंचकर लिखित शिकायत दी और सुरक्षा की मांग की है।

कौशल किशोर के अनुसार, उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक हैंडल से कई धमकी भरे संदेश भेजे गए। इनमें अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए उन्हें निशाना बनाया गया। संदेश भेजने वाले ने पुलिस को 15 मिनट के लिए हटाने और आमने-सामने आने की चुनौती भी दी।

15 मिनट के लिए पुलिस हटाने की चुनौती, एसएसपी से मिलकर मांगी सुरक्षा

संबंधित इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर दो पोस्ट और 247 फॉलोअर बताए गए हैं। धमकी मिलने के बाद कौशल किशोर एसएसपी कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों को पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया। उन्होंने संबंधित इंटरनेट मीडिया अकाउंट संचालक की पहचान कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। साथ ही अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने की गुहार लगाई। पुलिस से मामले की जांच कर धमकी देने वाले की पहचान करने की अपेक्षा की गई है।

पति की हत्या में पत्नी और प्रेमी को उम्रकैद, 13-13 हजार का जुर्माना

यूनिक समय, मथुरा। प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करने वाली पत्नी और उसके प्रेमी को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। एडीजे प्रथम अजय पाल सिंह की अदालत ने दोनों पर 13-13 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। करीब 13 वर्ष पुराने इस हत्याकांड में अदालत ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर दोनों को दोषी करार दिया।

एडीजीसी के अनुसार, बरसाना के प्रियाकुंड के पास किराये के मकान में रहने वाली साक्षी चौहान आठ जुलाई 2013 को पति रिंकू चौहान, बेटी और प्रेमी अजय तिवारी पुत्र मंगल तिवारी निवासी श्याम विहार कॉलोनी, बरसाना के साथ गोवर्धन परिक्रमा करने आई थी। बड़ी

परिक्रमा के बहाने गोवर्धन लाकर की थी वारदात, नशीला पदार्थ खिलाकर ईंट से कूच दिया था सिर

परिक्रमा पूरी करने के बाद सभी दानघाटी मंदिर के पास बैठ गए। कुछ देर बाद रिंकू वापस आने की बात कहकर वहां से चला गया।

काफी देर तक उसके नहीं लौटने पर साक्षी ने गोवर्धन थाने में पति के लापता होने की सूचना दी।

इसी दौरान पुलिस को छटीकरा रोड पर एक अज्ञात युवक का शव पड़ा होने की सूचना मिली। साक्षी पुलिस के साथ मौके पर पहुंची और शव की पहचान पति रिंकू के रूप में की। उसने अज्ञात लोगों के खिलाफ ईंट से सिर कुचलकर हत्या करने की रिपोर्ट दर्ज कराई।

जांच के दौरान पुलिस को साक्षी पर शक हुआ। पूछताछ में उसने प्रेमी अजय तिवारी के साथ मिलकर पति की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। मुकदमे की सुनवाई एडीजे प्रथम अजय पाल सिंह की अदालत में हुई। एडीजीसी ने बताया कि अदालत ने दोनों को हत्या का दोषी मानते हुए आजीवन कारावास और 13-13 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

प्रेम संबंधों में बाधा बन रहा था पति

एडीजीसी के अनुसार, साक्षी मूलरूप से बरेली की रहने वाली थी। उसने रिंकू से प्रेम विवाह किया था और बाद में धर्म परिवर्तन कर उसके साथ बरसाना में रहने लगी थी। रिंकू वाहन पार्किंग ठेकेदार के यहां पर्ची काटने का काम करता था। वहीं, अजय तिवारी की घर के पास जनरल स्टोर की दुकान थी। घरेलू सामान खरीदने के दौरान साक्षी की अजय से नजदीकियां बढ़ गईं और दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गए। इसकी जानकारी रिंकू को हो गई थी। इसी के चलते दोनों ने उसे रास्ते से हटाने की योजना बनाई। एडीजीसी के मुताबिक, वारदात से पहले साक्षी ने रिंकू को नशीला पदार्थ खिलाकर अचेत कर दिया था। इसके बाद अजय के साथ मिलकर ईंट से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी थी।

जीएलए फार्मेसी के विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय समारोह में जीते पुरस्कार

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए यूनिवर्सिटी, मथुरा के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च (आईपीआर) के विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय समारोह में शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। विश्व फार्मासिस्ट दिवस-राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह–2026 पर आयोजित समारोह में विद्यार्थियों ने साइटून्स प्रतियोगिता में अपनी बेहतर परफॉर्मेंस देकर दो पुरस्कार अपने नाम किए।

साइटून्स प्रतियोगिता में बीफार्म द्वितीय वर्ष की छात्रा चारू शर्मा और सिमरन पांडेय ने जटिल वैज्ञानिक सिद्धांतों को रचनात्मक चित्रों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। वहीं नुक्कड़ नाटक में बीफार्म द्वितीय वर्ष के छात्र आदित्य अग्रवाल के नेतृत्व



जीएलए विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के विजेता छात्रों के साथ कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता, साथ हैं विभागीय पदाधिकारीगण।

में टीम ने बेहतर परफॉरमेंस देकर विजेता स्टूडेंट की सूची में जगह बनाई। टीम में बी.फार्म प्रथम वर्ष की शिप्रा श्रीवास्तव, राशि अग्रवाल, निखिल, पुनीत राठौर, स्तुति पांडेय और वेदांत कृष्ण चतुर्वेदी शामिल रहे। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि में डॉ. योगेश मूर्ति, डॉ. रीना गुप्ता और डॉ. रुकैया फातिमा बेगम का मार्गदर्शन-सहयोग रहा।

डा. योगेश मूर्ति ने बताया कि यह राज्य स्तरीय एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा में फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई), नई दिल्ली द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दिल्ली के फार्मेसी संस्थानों के सहयोग से आयोजित किया गया। समारोह की थीम 'स्वस्थ भारतः रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) से मुकाबला' रही। इसमें 100 से अधिक संस्थानों के करीब 1,500 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उद्घाटन सत्र में पीसीआई अध्यक्ष डॉ. मोंटुकुमार एम. पटेल, विशिष्ट अतिथि-कार्यकारी परिषद सदस्य डॉ. अतुल के. नासा, संयोजक प्रो. (डॉ.) विभु सहानी और सह-

जीएलए फार्मेसी सहित 100 से अधिक संस्थानों के 1,500 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

संयोजक संदीप बडोला उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान एएमआर जागरूकता रैली, विशेषज्ञ व्याख्यान और पैनल चर्चा आयोजित की गई। इसके साथ ही विद्यार्थियों के लिए फार्मास्यूटिकल क्विज, वैज्ञानिक पोस्टर प्रस्तुतिकरण, रील निर्माण, साइटून्स, सूचना–पत्र निर्माण और नुक्कड़ नाटक जैसी प्रतियोगिताएं कराई गईं। इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने, एंटीबायोटिक दवाओं के जिम्मेदार-तर्कसंगत उपयोग को बढ़ावा देने और जनस्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। एएमआर ऐसी स्थिति है, जिसमें बैक्टीरिया जैसे सूक्ष्मजीवों पर दवाओं का प्रभाव कम या समाप्त हो जाता है। समापन सत्र में विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

निदेशक डॉ. कमल शाह ने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनकी रचनात्मकता, वैज्ञानिक सोच और विषय के प्रति समर्पण का प्रमाण है। ऐसे राज्य स्तरीय मंच विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ व्यावहारिक ज्ञान और आत्मविश्वास विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि विद्यार्थी भविष्य में भी अपनी प्रतिभा से विश्वविद्यालय और फार्मेसी जगत को गौरवान्वित करेंगे।

रिश्तेदारों और संगठन पदाधिकारियों को तैनाती देने पर घिरे अधिकारी

यूनिक समय, मथुरा। बेसिक शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापकों को प्रभारी प्रधानाध्यापक बनाने के नाम पर हुई तैनाती में जमकर भाई- भतीजावाद चला था। शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों और उनके रिश्तेदारों को कथित रूप से मनचाहे विद्यालयों में प्रभारी बनाने सहित कई अनियमितताओं की शिकायतों के बाद बीएसए की ओर से जारी तैनाती के दोनों आदेश निरस्त हो गए। अब सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता के निर्देश पर चल रही जांच की रिपोर्ट मिलने के बाद सच्चाई सामने आएगी।

दरअसल, बीएसए कार्यालय ने 26 सितंबर और 22 अक्टूबर को जारी आदेशों के तहत ज्येष्ठता सूची के आधार पर सहायक अध्यापकों को प्रभारी प्रधानाध्यापक के पद पर तैनाती

शिकायतों में रिश्तेदारों को मनचाहे स्कूलों में प्रभारी बनाने और नियमों की अनदेखी के आरोप, जांच के बाद होगी अगली कार्रवाई

दी थी। इसके बाद विभिन्न माध्यमों से शिकायतें पहुंचीं, यूनिक समय ने भी इस प्रकरण को प्रमुखता से उठाया। शिकायतों में आरोप लगाया गया कि तैनाती में नियमों और वरिष्ठता के बजाय शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों और उनके रिश्तेदारों को लाभ पहुंचाया गया।

शिकायतकर्ताओं ने उ.प्र. प्राथमिक शिक्षक संघ, जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ, यूटा, महिला शिक्षक मोर्चा और एससी-एसटी शिक्षक संघ से जुड़े पदाधिकारियों के नाम गिनाते हुए कई तैनातियों पर सवाल उठाए हैं।

आरोप है कि प्रभारी प्रधानाध्यापक तैनाती में लोकेश शर्मा, उत्तम सारस्वत, कपिल कुमार, विकास यादव, पृथ्वीराज कुमार पोइया, प्रीति भटनागर, श्रद्धा गौतम, अमित शर्मा, शांतनु कुमार, सूर्यवीर सिंह यादव, अंजना शर्मा और सुभाष सिंह पर दुलार लुटाया गया था। इनको मनचाहे विद्यालयों में तैनाती, वरिष्ठता की अनदेखी और नियम विरुद्ध प्रभार देने के आरोप लगाए गए हैं।

कुछ शिक्षकों को उनके मूल विद्यालय में प्रभारी पद रिक्त होने के बावजूद दूसरे विद्यालयों में भेजा गया। कुछ को प्राथमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक होने के बावजूद दूसरे विद्यालयों में प्रभारी बनाया गया। वहीं, एआरपी के पद पर कार्यरत शिक्षिका की तैनाती को लेकर भी नियमों के अनुपालन पर सवाल उठाए गए हैं। एक शिक्षक की तैनाती पर पुराने भर्ती घोटाले से संबंधित प्रकरण का हवाला देते हुए आपत्ति जताई गई है।

इसके अलावा मनचाहे विद्यालयों में तैनाती के नाम पर धन उगाही के आरोप भी लगाए गए हैं।

उधर, जांच समिति से जुड़े जानकारों का कहना है कि प्रकरण की जांच कर दो दिन में रिपोर्ट सीडीओ को सौंप दी जाएगी। जांच रिपोर्ट के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि तैनाती प्रक्रिया में कहां और किस स्तर पर अनियमितताएं हुईं, इसके लिए कौन जिम्मेदार है।

बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण



भ्रमण के दौरान बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र-छात्रा।

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने आगरा स्थित एमएसएमई टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट सेंटर (पीपीडीसी) का औद्योगिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने औद्योगिक गतिविधियों, उत्पादन प्रक्रिया, आधुनिक तकनीकों और उद्यमिता से जुड़ी बारीकियों को समझा। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ औद्योगिक क्षेत्र की व्यावहारिक कार्यप्रणाली से परिचित कराना था। इस दौरान एमएसएमई-डीएफओ, आगरा की ओर से उद्योगों के विकास के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली तकनीकी, प्रबंधकीय और आर्थिक परामर्श सेवाओं की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने औद्योगिक विकास, तकनीकी नवाचार और उत्पादन की विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

भ्रमण का संचालन फैकल्टी कोऑर्डिनेटर हरीश बंसल और शिवम अग्रवाल के मार्गदर्शन में किया गया। संस्थान के चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल ने कहा कि औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों को वास्तविक कार्यक्षेत्र की चुनौतियों और उद्योगों की जरूरतों को समझने का अवसर देते हैं। इससे उन्हें भविष्य में कुशल इंजीनियर बनने में मदद मिलती है।वाइस चेयरमैन विशाल बंसल, निदेशक प्रो. श्यामसुंदर अग्रवाल, डीन एकेडमिक प्रो. लोकेन्द्र शर्मा और वरिष्ठ रजिस्ट्रार भगवान सिंह ने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिए प्रयासरत है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष वरुण चाबड़ा और प्लेसमेंट विभागाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने भी औद्योगिक भ्रमण को विद्यार्थियों के तकनीकी और व्यावसायिक विकास के लिए उपयोगी बताया।

आगरा के एमएसएमई टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट सेंटर में उत्पादन प्रक्रिया और आधुनिक तकनीकों की ली जानकारी

सदर बाजार में कल से गूंजेगी राधे कृष्ण की धुन, सजेगा रासलीला मंच

यूनिक समय, मथुरा। सदर बाजार के वार्ड नंबर 23 स्थित रामलीला मैदान में शुक्रवार से रासलीला का आयोजन शुरू होगा। आयोजन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। आयोजक मंच सज्जा से लेकर अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। रासलीला में कलाकार भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं का भावपूर्ण मंचन करेंगे। धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा से जुड़े इस आयोजन को लेकर क्षेत्रीय लोगों और श्रद्धालुओं में उत्साह है। आयोजन स्थल पर मंच तैयार करने के साथ ही श्रद्धालुओं के बैठने और अन्य जरूरी व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

जंक्शन रेलवे स्टेशन पर गूंज रहे छठ गीत

यूनिक समय, मथुरा। छठ महापर्व पर आगरा मंडल के रेलवे स्टेशनों पर छठी मैया के पारंपरिक गीत गूंज रहे हैं। यात्रियों की यात्रा को सुखद और यादगार बनाने के उद्देश्य से मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर छठ पूजा के मधुर गीतों की विशेष व्यवस्था की गई है। गीतों की धुन से स्टेशन परिसर भक्तिमय और उत्सव के उल्लास से सराबोर हो रहे हैं। आगरा कैंट, मथुरा जंक्शन, आगरा फोर्ट, ईदगाह, राजा की मंडी, धौलपुर, कोसीकलां, अछनेरा और नदबई सहित मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर छठ महापर्व से जुड़े पारंपरिक गीतों के माध्यम से यात्रियों का स्वागत किया जा रहा है। खासकर त्योहार पर अपने घर लौट रहे यात्रियों को इन गीतों से छठ का आत्मीय एहसास मिल रहा है। आगरा मंडल की इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर रेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही उनकी यात्रा को भावनात्मक रूप से सुखद बनाना भी है। छठ गीतों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, लोक परंपराओं और पर्व की आत्मीयता को रेलवे स्टेशनों पर जीवंत किया जा रहा है।

राष्ट्रीय सम्मेलन में कुनाल वर्मा ने हासिल किया तीसरा स्थान

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित फार्मेसी सम्मेलन में राजीव एकेडमी फॉर फार्मेसी के एम.फार्मा (फार्माकोलॉजी) के छात्र कुनाल वर्मा ने उत्कृष्ट शोध प्रस्तुतीकरण कर तृतीय पुरस्कार हासिल किया। मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थित एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी में आयोजित सम्मेलन में मिली इस उपलब्धि से संस्थान का गौरव बढ़ा है।

सम्मेलन में देशभर के विभिन्न शैक्षणिक एवं फार्मेसी संस्थानों के विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षाविदों ने हिस्सा लिया। इसका मुख्य उद्देश्य औषधि खोज, फार्मेसी शिक्षा, नवीन तकनीकों और अनुसंधान आधारित नवाचारों पर विचार-विमर्श करना था। कुनाल वर्मा ने अपने मौखिक शोध-पत्र में टाइप-2 मधुमेह के उपचार में मरीज की व्यक्तिगत स्वास्थ्य स्थिति के अनुरूप दवाओं के चयन और रक्त



राष्ट्रीय सम्मेलन में अतिथियों से तृतीय पुरस्कार प्राप्त करते कुनाल वर्मा।

मधुमेह रोगियों के हृदय और गुर्दों की सुरक्षा पर प्रस्तुत किया शोध-पत्र

शर्करा नियंत्रण के साथ हृदय और गुर्दों की सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया।

उन्होंने बताया कि मधुमेह का प्रभाव केवल रक्त में शर्करा बढ़ने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि लंबे समय तक उचित नियंत्रण न होने पर हृदय और गुर्दों पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। ऐसे में मरीज के चिकित्सा इतिहास और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों को ध्यान में रखकर उपचार तय करना जरूरी है। आधुनिक मधुमेह रोधी औषधियों और व्यक्तिगत उपचार पद्धति पर उनके वैज्ञानिक प्रस्तुतीकरण को निर्णायक मंडल ने सराहा और तृतीय पुरस्कार प्रदान किया।

कुनाल ने यह उपलब्धि सहायक आचार्य सौम्यदीप मुखर्जी के मार्गदर्शन में हासिल की। संस्थान के चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कुनाल वर्मा और सौम्यदीप मुखर्जी को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय मंच पर विद्यार्थियों की सफलता संस्थान के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ अनुसंधान और व्यावहारिक प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

निदेशक डॉ. हिमांशु चोपड़ा ने भी कुनाल और उनके मार्गदर्शक सौम्यदीप मुखर्जी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शोध आधारित शिक्षा विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करती है। कुनाल की उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को भी अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

निराश्रित महिलाओं को जीवनभर मिलेगी पेंशन, सात को मिला लाभ

यूनिक समय, मथुरा। निराश्रित और आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को आर्थिक संबल देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन ने अनूठी पहल की है। संगठन की ओर से शुरू की गई मासिक पेंशन योजना के तहत सात महिलाओं को लाभान्वित किया गया। चयनित महिलाओं को जीवनभर हर महीने एक हजार रुपये पेंशन दी जाएगी।

मुकुंद प्रिया गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष धीरज गोयल और जिला महामंत्री अनुराग मित्तल ने बताया कि यह योजना स्व. मुन्नी देवी पत्नी नानक चंद्र गुडेरा वाले और स्व. भुवनेश्वर गुप्ता की स्मृति में शुरू की गई है। इसका उद्देश्य उन महिलाओं को आर्थिक सहारा देना है,

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन ने शुरू की योजना, हर महीने मिलेंगे एक हजार रुपये

जिनके पास जीवनयापन का कोई स्थायी साधन नहीं है।

धीरज गोयल ने बताया कि संगठन का लक्ष्य कम से कम 50 निराश्रित महिलाओं को इस योजना से जोड़ना है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय संरक्षक अजय कांत गर्ग, उमेश अग्रवाल गुडेरा वाले, विनोद अग्रवाल और दिलीप गर्ग सहित अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने योजना का विस्तार करने में सहयोग का संकल्प लिया।

पांच लाख की अंतिम कुश्ती ने बांधा समां, पहलवानों ने दिखाया दम-खम

बल्देव में विशाल दंगल देखने उमड़ी कुश्ती प्रेमियों की भीड़

नामी पहलवानों ने आजमाए दांव-पेंच



दंगल में कुश्ती लड़ते पहलवान।

यूनिक समय, बल्देव। कस्बा स्थित प्रेम सिंह बाबूजी कोल्ड स्टोरेज पर आयोजित विशाल कुश्ती दंगल में पहलवानों ने अपने दमखम और शानदार दांव-पेंच से दर्शकों को रोमांचित कर दिया। दंगल में दूर-दराज क्षेत्रों से आए नामी पहलवानों ने अखाड़े में उतरकर एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी। मुकाबले देखने के लिए बड़ी संख्या में कुश्ती प्रेमी जुटे। दंगल का मुख्य आकर्षण पांच लाख रुपये की इनामी अंतिम कुश्ती रही। इस मुकाबले को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजन में पूर्व ब्लॉक प्रमुख कृष्णवीर चौधरी, कोल्ड स्टोरेज के चेयरमैन चंद्रवीर सिंह चौधरी और मथुरा सदर के पार्षद धनंजय चौधरी मौजूद रहे। दंगल के आयोजन में सोनू सिकरवार और उनकी टीम ने एक लाख 11 हजार रुपये का विशेष आर्थिक सहयोग दिया। टीम के साथी सत्यप्रकाश प्रधान, संदीप प्रधान, शुभम सेठ, विशम्बर भाई, उत्तम भाई और भोलू सचिव ने भी आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया। दंगल ने क्षेत्र की पारंपरिक कुश्ती संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का संदेश दिया।

श्री राम सेवा ट्रस्ट ने शुरू किया वस्त्र संग्रह अभियान, जरूरतमंदों को मिलेगी सर्दी से राहत

16 नवंबर तक एकत्र किए जाएंगे गर्म कपड़े

बच्चों से बुजुर्गों तक पहुंचाए जाएंगे वस्त्र



यूनिक समय, कोसीकलां। सर्दी की दस्तक के साथ ही जरूरतमंदों को ठंड से बचाने के लिए कोसीकलां में सेवा का संकल्प शुरू हो गया है। सामाजिक संस्था श्री राम सेवा ट्रस्ट की ओर से तृतीय विशाल वस्त्र संग्रह अभियान का शुभारंभ किया गया। 'आओ मिलकर-खुशियां बांटें' संदेश के साथ शुरू हुए इस अभियान के तहत असहाय, निर्धन और जरूरतमंद परिवारों के लिए गर्म कपड़े एकत्र किए जाएंगे। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बताया कि अभियान 16 नवंबर तक चलेगा। इस दौरान नगर के दानदाताओं से नए और पुराने गर्म वस्त्र एकत्र कर जरूरतमंद बच्चों, बुजुर्गों और परिवारों तक पहुंचाए जाएंगे। दान में गर्म इनर, स्वेटर, जैकेट, पायजामे, शॉल, कार्डिगन, गर्म सूट, पैंट, कंबल, रजाई, चादरें, दस्ताने, मोजे और टोपियां स्वीकार की जाएंगी। ट्रस्ट ने अपील की है कि दान किए जाने वाले वस्त्र साफ-सुथरे और धुले हुए हों। फटे या अनुपयोगी कपड़े दान न करें, ताकि जरूरतमंद उनका तत्काल उपयोग कर सकें। वस्त्र दान करने के इच्छुक लोग जानकी भवन, कच्ची मंडी, एसबीआई बैंक के सामने वाली गली स्थित संग्रह केंद्र पर कपड़े जमा करा सकते हैं। तीसरे वर्ष अभियान शुरू होने पर समाजसेवियों ने ट्रस्ट के प्रयास की सराहना करते हुए अधिक से अधिक लोगों से सहयोग की अपील की है।

धर्मनगरी में यातायात व्यवस्था ध्वस्त एक किलोमीटर तक वाहनों की कतार

यूनिक समय, वृंदावन। धर्मनगरी में यातायात व्यवस्था बेपटरी हो गई है। सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ने के साथ ही जाम की समस्या विकराल होती जा रही है। शहर के प्रमुख मार्ग पर करीब एक किलोमीटर लंबा जाम लग गया। इसमें राहगीरों के साथ श्रद्धालु भी घंटों हलकान रहे। वाहन रेंगते नजर आए और लोगों को निकलने के लिए काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। जाम की गंभीर स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कोतवाली प्रभारी अश्विनी कुमार की गाड़ी भी वाहनों के बीच फंस गई। इसके बाद पुलिसकर्मियों को यातायात सुचारु कराने के लिए मोर्चा संभालना पड़ा। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने वाहनों को व्यवस्थित कराया। काफी मशक्कत के बाद जाम खुल सका। वृंदावन में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु मंदिरों में दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इसके बावजूद यातायात व्यवस्था को लेकर प्रभावी इंतजाम नजर नहीं आ रहे हैं। आए दिन लगने वाले जाम से स्थानीय लोगों के साथ बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। शहरवासियों में बदहाल यातायात व्यवस्था को लेकर नाराजगी है। सवाल उठ रहा है कि आखिर कब वृंदावन को रोजाना के जाम से निजात मिलेगी।

17 नवंबर को सजेगी कविताओं की महफिल

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के भरत मिलाप चौक पर 17 नवंबर को हास्य, ओज और श्रृंगार की कविताओं की गूंज सुनाई देगी। श्री रामलीला संस्थान कोसीकलां और जीएलए विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विराट कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। नगर में जगह-जगह होर्डिंग लगाकर लोगों को जानकारी दी जा रही है। कवि सम्मेलन का शुभारंभ 17 नवंबर को रात आठ बजे होगा। कार्यक्रम में जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, वाइस चांसलर डॉ. अनूप गुप्ता और सीईओ डॉ. विवेक अग्रवाल प्रमुख रूप से मौजूद रहेंगे। कवि सम्मेलन में देश के चर्चित कवि डॉ. अनामिका जैन अंबर, मोहन मुंतजिर, ओंकार कश्यप, रवि और दमदार बनारसी सहित अन्य कवि अपनी रचनाओं से श्रोताओं को गुदगुदाने और ओजस्वी कविताओं से उत्साह भरने के साथ काव्य रस से सराबोर करेंगे। रामलीला संस्थान के संयोजक खगेंद्र सिंह उर्फ बॉबी ठाकुर ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कवि सम्मेलन का आनंद लेने की अपील की है।

छठ पर्व को लेकर बाजारों में बढ़ी रौनक

यूनिक समय, मथुरा। छठ महापर्व को लेकर शहर के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। सूप, डलिया और पूजा सामग्री की दुकानें सज गई हैं। पर्व नजदीक आते ही खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ने लगी है। चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरुआत कल नहाय-खाय के साथ होगी। गेहूं सुखाने के दौरान महिलाएं छठी मैया और भगवान भास्कर के पारंपरिक गीत भी गाती हैं। पर्व में सूप और डलिया का विशेष महत्व है।

ऋण वसूली में तेजी लाएं बैंक, लंबित प्रकरणों का करें निस्तारण

डीएम ने बैंकर्स की बैठक में योजनाओं की समीक्षा की

पात्र युवाओं और किसानों को ऋण देने पर दिया जोर



बैंकर्स बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते डीएम चंद्रप्रकाश सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने बैंकों को ऋण वसूली में तेजी लाने और लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को कलेक्ट्रेट में बैंकर्स की जिला स्तरीय समीक्षा एवं परामर्शदात्री समिति की बैठक में उन्होंने ऋण वितरण, बकाया वसूली और केंद्र-प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। डीएम ने बैंकों में बढ़ते नॉन परफॉर्मिंग एसेट (एनपीए) पर चिंता जताते हुए आरसी के माध्यम से वसूली की स्थिति जानी। उन्होंने सरफेसी एक्ट के तहत लंबित मामलों में नियमानुसार कार्रवाई करने और बैंक व संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से वसूली सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि तहसील स्तर से वसूली में पूरा सहयोग दिया जाएगा। डीएम ने किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत पात्र किसानों को अधिक से अधिक लाभान्वित करने, एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के आवेदनों का निस्तारण करने के निर्देश दिए। इसके तहत कोल्ड स्टोरेज, वेयरहाउस, पैकिंग यूनिट और कृषि प्रसंस्करण इकाइयों के लिए ऋण उपलब्ध कराया जा सकता है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी), खादी एवं ग्रामोद्योग और माटीकला योजना के आवेदनों को प्राथमिकता से निस्तारित करने को कहा। स्वयं सहायता समूहों के लंबित क्रेडिट लिंकेज प्रकरण अभियान चलाकर निपटाने के निर्देश दिए।

उन्होंने उज्ज्वला, जीवन ज्योति बीमा, सुरक्षा बीमा और अटल पेंशन योजना से पात्र लोगों को जोड़ने, वित्तीय साक्षरता शिविर बढ़ाने, लोक अदालत के माध्यम से बैंकिंग विवादों के निस्तारण पर भी जोर दिया। बैठक में उपायुक्त उद्योग चंद्रभान सिंह, परियोजना अधिकारी नेडा एसके वर्मा, जिला सूचना अधिकारी प्रशांत कुमार सुचारी सहित बैंकों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कोसीकलां में एक ही घाट पर सजेगा छठ महापर्व का आयोजन



गोमती कुंड पर जुटेंगे शहरभर के श्रद्धालु

नगर पालिका साफ-सफाई से लेकर सुरक्षा तक की संभालेगी जिम्मेदारी

यूनिक समय, कोसीकलां। सूर्योपासना के महापर्व छठ को लेकर नगर में तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बार छठ पूजा अलग-अलग घाटों पर नहीं, बल्कि मां भगवती मंदिर स्थित गोमती कुंड पर सामूहिक रूप से भव्यता के साथ मनाई जाएगी। आयोजन को लेकर छठ पूजा समिति ने बैठक कर तैयारियों की रूपरेखा तय की है। बीती देर रात गोमती कुंड पर आयोजित बैठक में समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि पिछले वर्षों में अलग-अलग स्थानों पर छठ पूजा होने से व्रतियों और श्रद्धालुओं को असुविधा का सामना करना पड़ता था। इसी को देखते हुए इस बार सर्वसम्मति से पूरे नगर का सामूहिक आयोजन गोमती कुंड पर कराने का निर्णय लिया गया है। समिति के अनुसार, 15 नवंबर की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ महापर्व का आयोजन शुरू होगा। 16 नवंबर की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया जाएगा। समिति ने छठ व्रतियों और नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर आयोजन में सहभागिता करने की अपील की है।

बैठक में बताया गया कि नगर पालिका परिषद के चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल से आयोजन को लेकर वार्ता हो चुकी है। उन्होंने समिति के निर्णय का स्वागत करते हुए गोमती कुंड घाट पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पानी, बैरिकेडिंग और सुरक्षा के लिए नगर पालिका की ओर से पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया है। इससे व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं को पूजा के दौरान बेहतर व्यवस्थाएं मिल सकेंगी।

सभासद पुत्र ने लौटाए खाते में आए 70 हजार रुपये, पेश की ईमानदारी की मिसाल

गलती से नंदगांव के युवक के खाते से पहुंची थी रकम

बिना देर किए लौटाए रुपये

यूनिक समय, कोसीकलां। खाते में गलती से आए 70 हजार रुपये लौटाकर नगर पालिका के सभासद पुत्र ने ईमानदारी की मिसाल पेश की है। उनकी इस पहल की नगर में खूब सराहना हो रही है। रुपये लौटाने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। जानकारी के अनुसार, नगर पालिका के वार्ड संख्या 11 के सभासद योगेश अग्रवाल के पुत्र के बैंक खाते में नंदगांव निवासी एक युवक के 70 हजार रुपये गलती से ट्रांसफर हो गए। खाते में अनजान रकम आने की जानकारी मिलते ही सभासद पुत्र ने इसकी पड़ताल शुरू की। जांच में पता चला कि रकम नंदगांव निवासी युवक की है और गलती से उनके खाते में पहुंच गई है।

इसके बाद उन्होंने बिना किसी देरी के संबंधित युवक से संपर्क किया और पूरी रकम 70 हजार रुपये नकद वापस कर दी। उधर, नंदगांव निवासी युवक ने बताया कि गलत खाते में रकम पहुंचने से वह काफी परेशान था, लेकिन सभासद पुत्र ने ईमानदारी दिखाते हुए उसका पूरा पैसा लौटा दिया। रकम वापस मिलने पर युवक ने आभार जताया। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि सभासद योगेश अग्रवाल के पुत्र ने अपने व्यवहार से ईमानदारी और अच्छे संस्कारों की मिसाल पेश की है।

कोसीकलां में 15 नवंबर को निकलेगी भाजपा की युवा गर्जना पदयात्रा

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ के संकल्प के साथ नगर के प्रमुख बाजारों से गुजरेगी पदयात्रा

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर की सड़कों पर 15 नवंबर को युवाओं का शक्ति प्रदर्शन देखने को मिलेगा। भारतीय जनता युवा मोर्चा के तत्वावधान में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ के संकल्प के साथ विशाल पदयात्रा 'युवा गर्जना' निकाली जाएगी। भाजपा नेता एवं जिला पंचायत सदस्य राजेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में होने वाले इस आयोजन को लेकर कार्यकर्ताओं ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आयोजन समिति के अनुसार, पदयात्रा का शुभारंभ सुबह 10:30 बजे ऐतिहासिक हिंदू इंटर कॉलेज परिसर से होगा। यहां से पदयात्रा हनुमान मंदिर, घंटाघर, बलदेव गंज, मुख्य बाजार, सब्जी मंडी और बस स्टैंड होते हुए वापस हिंदू इंटर कॉलेज पहुंचेगी, जहां सभा के रूप में इसका समापन होगा। युवा कार्यकर्ता हाथों में पार्टी के झंडे और लोकतंत्र की रक्षा से जुड़े नारों की तख्तियां लेकर चलेंगे।

आयोजकों का कहना है कि युवाओं को भटकाव से निकालकर रचनात्मक दिशा देना और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना समय की जरूरत है। पदयात्रा के माध्यम से समाज में शांति, संवाद और सद्भाव का संदेश देने के साथ राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को रेखांकित किया जाएगा। कार्यकर्ता गांव-गांव संपर्क कर लोगों को शामिल होने का निमंत्रण दे रहे हैं। आयोजकों ने हजारों युवाओं के जुटने का दावा किया है।

सुविचार

विचारों की गहराई ही इंसान के व्यक्तित्व को सुंदर बनाती है।

कल का पंचांग

तिथि	चतुर्थी	06:09-08:43 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष	
नक्षत्र	मूल	02:19-05:17 तक	माह	कार्तिक	
सूर्योदय		6:12 AM	चन्द्रोदय	09:46 AM	
सूर्यास्त		5:09 PM	चंद्रास्त	08:05 PM	
सूर्य राशि		तुला राशि	चंद्र	धनु राशि	
शुभ मुहूर्त		11:19AM –12:02 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:28-05:20	
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083	
राहुकाल		10:18 AM: 11:41 AM	वार	शुक्रवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

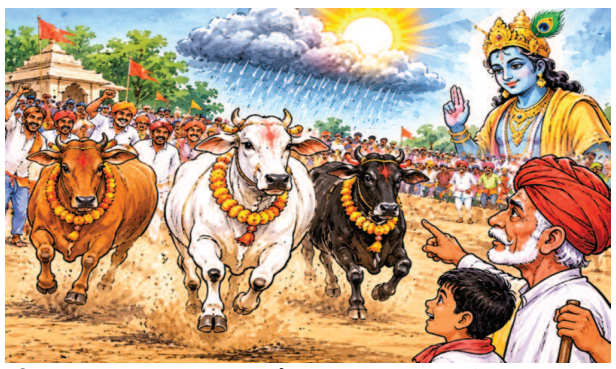


ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

गोवर्धन पूजा पर आयोजित होती है अनोखी प्रतियोगिता

गाय की दौड़ से तय होता है बारिश और फसल का भविष्य



यूनिक समय, मथुरा। राजस्थान के सिरोही जिले के वासा गांव में गोवर्धन पूजा केवल भगवान श्रीकृष्ण और गोवर्धन पर्वत की आराधना तक सीमित नहीं रहती, बल्कि इस दिन एक ऐसी अनूठी परंपरा भी निभाई जाती है, जिसमें गायों की दौड़ के जरिए आने वाले साल के मौसम और खेती का अनुमान लगाया जाता है। करीब 90 साल से चली आ रही इस परंपरा को देखने के लिए हर वर्ष आसपास के गांवों से हजारों लोग पहुंचते हैं। इस बार दौड़ में सफेद रंग की गाय सबसे आगे

राजस्थान के वासा गांव में 90 साल पुरानी परंपरा

रही। ग्रामीणों की मान्यता के अनुसार, इससे आने वाले साल में सामान्य से मध्यम बारिश और अच्छी खेती होने का संकेत मिलता है।

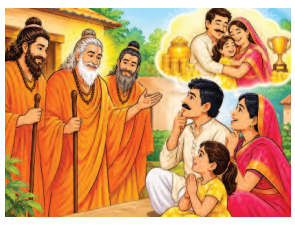
सिरोही की पिंडवाड़ा तहसील स्थित वासा गांव के आखरिया चौक में इस आयोजन की शुरुआत गोवर्धन पूजा और नंदी पूजा से होती है। इसके बाद अन्नकूट का आयोजन किया जाता है। फिर ग्रामीण पारंपरिक शोभायात्रा निकालते हैं। ढोल–नगाड़ों और नाचते–गाते लोगों का हुजूम आखरिया चौक पहुंचता है। यहां दौड़ में शामिल होने वाली गायों को रंग लगाया जाता है और उनकी पूजा–अर्चना कर गुड़ खिलाया जाता है। इसके बाद पशुपालक भगवान श्रीकृष्ण के संदेश सुनाते हुए गायों को दौड़ के लिए आगे बढ़ाते हैं।

इस परंपरा की सबसे दिलचस्प बात गायों के रंग और उनके दौड़ में पहले स्थान पर आने से जुड़ी मान्यता है। स्थानीय निवासी देवाराम देवासी के मुताबिक, ग्रामीणों का विश्वास है कि भूरे या सांवले रंग की गाय सबसे आगे रहे तो आने वाला साल अच्छा माना जाता है। सफेद गाय के प्रथम स्थान पर रहने का अर्थ सामान्य से मध्यम बारिश का संकेत माना जाता है। वहीं, काली गाय के आगे रहने को कुछ ग्रामीण शुभ नहीं मानते। इस बार लगातार दूसरे वर्ष सफेद गाय के पहले स्थान पर रहने से ग्रामीणों ने अच्छी खेती की उम्मीद जताई है।

गायों की इस अनोखी दौड़ को देखने के लिए वासा गांव में मेले जैसा माहौल बन जाता है। आसपास के गांवों के लोग भी बड़ी संख्या में आयोजन में शामिल होते हैं। भीड़ को देखते हुए रोहिड़ा पुलिस थाने के साथ अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाता है, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। करीब नौ दशक पुरानी यह परंपरा आज भी ग्रामीणों की आस्था, पशुपालन से जुड़ी संस्कृति और सामूहिक सहभागिता का प्रतीक बनी हुई है। हालांकि गाय के रंग और दौड़ के आधार पर बारिश या फसल का अनुमान एक स्थानीय लोकमान्यता है, वैज्ञानिक मौसम पूर्वानुमान नहीं। इसके बावजूद ग्रामीणों के लिए यह आयोजन परंपरा और उत्सव का खास हिस्सा है।

JAIGURUDEV MULTISPECIALITY HOSPITAL
मथुरा में सबसे कम दरों पर समस्त स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध
हमारी टीम के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर
डॉ. अनिल कुमार गौतम — M.B.B.S, M.D., MEDICINE (CONSULTANT PHYSICIAN)
डॉ. दुर्गेश कुमार — M.B.B.S, D.N.B., ORTHO-SUR. JOINT REPLACEMENT
डॉ. वी. के. पांडे — M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. संदीप गोवर्धन चौहान — M.B.B.S, D.N.B., NEURO SURGEON
डॉ. इला अग्रवाल — M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. एकता थडानी — M.B.B.S., DNB. (OBGY)
डॉ. सी. एम. मवार — M.B.B.S. DVD. MIADVI
डॉ. नितेश जिंदल — MBBS, MD, MEDICINE
डॉ. नरेश अग्रवाल — M.B.B.S., D.C.H
डॉ. अर्पण मौर्य — M.B.B.S., M.S. (SURGERY) F.M.A.S F.I.A.G.E.S GERASER SURGO &
डॉ. मनदीप यादव — D.P.T B.P.T
डॉ. चेतना अग्रवाल — B.D.S., MIDA
डॉ. हरि प्रसाद — (B.H.M.S) CONSULTANT HOMOEOPATH
डॉ. एम. माहेश्वरी — M.B.B.S. (MS) OPTHOLMALOGY
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ₹ 5 लाख तक का नि:शुल्क उपचार
आयुष्मान कार्ड धारकों का स्वागत है
आपातकालीन मो.नं. 7078877006
8650777901, 8953925593
Maholi Link Road, Mathura (U.P.)

प्रेम से महकता है परिवार, धन सफलता खुद आएंगे पास



सुखी जीवन के लिए अपनाएं ये बातें

प्रेम से ही परिवार में आती है सुख–समृद्धि

यूनिक समय, मथुरा। एक लोक कथा के अनुसार, एक गांव में पति–पत्नी और उनकी छोटी बेटी रहते थे। एक दिन तीन संत उनके घर पहुंचे। महिला ने उन्हें भोजन के लिए आमंत्रित किया, लेकिन संतों ने कहा कि वे तीनों एक साथ घर नहीं आ सकते। उनके नाम धन, सफलता और प्रेम थे। परिवार को किसी एक को चुनना था।

पति ने धन, पत्नी ने सफलता और बेटी ने प्रेम को चुनने की इच्छा जताई। अंततः परिवार ने प्रेम को आमंत्रित किया। जैसे ही प्रेम आगे बढ़ा, धन और सफलता भी उसके पीछे चल पड़े। संतों ने बताया कि जहां प्रेम होता है, वहां धन और सफलता के रास्ते भी खुल जाते हैं।इस कथा की सीख है कि परिवार की असली ताकत आपसी प्रेम, विश्वास और सहयोग में छिपी होती है। कामकाज और उपलब्धियों के बीच अपनों के लिए समय निकालना चाहिए। परिवार के हर सदस्य की बात सुननी चाहिए और मतभेदों को बातचीत से सुलझाना चाहिए। रिश्तों को प्राथमिकता दें, परिवार के साथ समय बिताएं, समस्याओं का समाधान बातचीत से करें, सफलता को केवल धन और पद से न आंकें, निर्णयों में सभी की राय लें, आर्थिक अनुशासन बनाए रखें, दूसरों से तुलना करने से बचें और मुश्किल समय में अपनों का साथ दें। धन्यवाद कहना, गलती पर माफी मांगना और जरूरत के समय सहयोग करना भी प्रेम को मजबूत बनाता है।

शनि की सीधी चाल बदलेगी चार राशियों की किस्मत

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र में शनिदेव की चाल में बदलाव को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। मान्यता है कि शनिदेव व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल देते हैं। साल 2026 के अंत में शनि अपनी वक्री अवस्था से निकलकर मार्गी होने जा रहे हैं। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, 11 दिसंबर को सुबह करीब पांच से छह बजे के बीच शनिदेव मीन राशि में सीधी चाल शुरू करेंगे। इस स्थिति को चार राशियों के लिए विशेष फलदायी माना जा रहा है।

मेष राशि के जातकों को नौकरी और कारोबार में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। विदेश से जुड़े कामों में अवसर बनने की मान्यता है। वहीं तुला राशि वालों के



11 दिसंबर को मीन राशि में मार्गी होंगे शनिदेव

नौकरी और कारोबार में मिल सकते हैं नए अवसर

लिए करियर में तरक्की, वेतन वृद्धि और लंबे समय से अटके कार्यों में राहत मिलने के संकेत हैं। मकर राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में पहचान और नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। कारोबारियों को नए ग्राहक और साझेदारी के अवसर मिलने की संभावना है। कुंभ राशि वालों के लिए आमदनी के नए रास्ते खुलने और अटका धन वापस मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि, खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, शनि 3 जून 2027 तक मीन राशि में रहेंगे। शनि का मार्गी होना वक्री अवस्था से निकलकर सामान्य गति में आना कहलाता है।

महाभारत के कर्ण की सूर्य साधना से जुड़ा छठ का इतिहास

डूबते सूरज को अर्घ्य, सदियों पुरानी है परंपरा

लोकआस्था का अनूठा महापर्व, सूर्य उपासना से जुड़ी हैं सदियों पुरानी मान्यताएं

माता सीता की पूजा से जुड़ी मुंगेर की मान्यता

यूनिक समय, मथुरा। छठ पूजा केवल व्रत और उपवास का पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, अनुशासन और सामाजिक समानता का अद्भुत उदाहरण है। कार्तिक शुक्ल षष्ठी को



मनाए जाने वाले इस महापर्व की जड़ें प्राचीन भारतीय परंपराओं में मिलती हैं। इसकी शुरुआत कब और कैसे हुई, इसे लेकर कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं।

चार दिवसीय छठ महापर्व का कार्यक्रम

13 नवंबर, शुक्रवार : नहाय–खाय
14 नवंबर, शनिवार : खरना
15 नवंबर, रविवार : संध्या अर्घ्य
16 नवंबर, सोमवार : उषा अर्घ्य

खास बात यह है कि इस पूजा में किसी पंडित या पुरोहित की अनिवार्यता नहीं होती। व्रती स्वयं सूर्यदेव और छठी मैया की आराधना करते हैं।

छठ पर्व की परंपरा को वैदिक काल से जोड़कर देखा जाता है। ऋग्वेद में सूर्य और उषा की स्तुति के मंत्र मिलते हैं। हालांकि आधुनिक छठ पर्व की शुरुआत का कोई एक निश्चित ऐतिहासिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है। महाभारत की मान्यताओं के अनुसार, सूर्यपुत्र कर्ण प्रतिदिन जल में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य देते थे। उनकी सूर्य उपासना और दानशीलता की परंपरा को छठ के अनुष्ठानों से जोड़ा जाता है।

एक अन्य कथा के अनुसार, वनवास के दौरान द्रौपदी ने पांडवों के संकट दूर करने के लिए सूर्यदेव की आराधना की थी। मान्यता है कि इससे पांडवों को कठिन परिस्थितियों से उबरने में सहायता मिली। रामायण काल से जुड़ी लोकमान्यता के अनुसार, लंका विजय के बाद अयोध्या लौटने पर माता सीता ने मुद्गल ऋषि के निर्देश पर सूर्यदेव की उपासना की थी। बिहार के मुंगेर स्थित सीता कुंड को इस परंपरा से जोड़कर देखा जाता है। छठ की सबसे बड़ी विशेषता इसका सामाजिक स्वरूप है। यहां जाति और वर्ग का भेद भुलाकर सभी एक घाट पर सूर्य को अर्घ्य देते हैं। बांस के सूप, मिट्टी के चूल्हे और पारंपरिक ठेकुआ इस पर्व की पहचान हैं। डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा जीवन के हर उतार–चढ़ाव में प्रकृति के प्रति आभार जताने का संदेश देती है।

सम्पादकीय

यूपी में सील अस्पतालों का खेल, मौत पर रिश्वत का पहरा

उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था का एक अजब कारोबार सामने आया है। यहां अस्पताल में इलाज कैसा होता है, डॉक्टर योग्य हैं या नहीं और मरीजों की सुरक्षा कितनी सुनिश्चित है, इन सवालों से ज्यादा महत्वपूर्ण शायद अस्पताल का नाम और रजिस्ट्रेशन बन गया है। अस्पताल पर मौत, दुष्कर्म या गलत इलाज के आरोप लगें तो स्वास्थ्य विभाग सील लगा देता है। लेकिन कुछ समय बाद वही इमारत नए नाम का बोर्ड लगाकर फिर मरीजों के स्वागत में तैयार हो जाती है। यानी बीमारी पुरानी, इमारत पुरानी, व्यवस्था पुरानी, बस अस्पताल का नाम नया! इसे स्वास्थ्य सेवाओं का नवीनीकरण कहें या नियमों को ठेंगा दिखाने का नया तरीका?



पवन गौतम
संपादक

उत्तर प्रदेश के लखनऊ उन्नाव और कानपुर में हुई एक पड़ताल ने इस कथित खेल की परतें खोली हैं। सील अस्पतालों को दोबारा शुरू कराने के नाम पर स्वास्थ्य विभाग के कुछ जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों से रिश्वत की बातचीत सामने आई। उन्नाव में अस्पताल खोलने के लिए लाखों रुपये की डील की चर्चा हुई, जबकि लखनऊ में सील अस्पताल की बिल्डिंग को नए नाम से संचालित करने का रास्ता बताया गया। यदि ये आरोप जांच में सही साबित होते हैं तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि मरीजों की जिंदगी के साथ बेहद गंभीर खिलवाड़ है। कानपुर के मामले तो इस व्यवस्था की पोल और भी खोलते हैं। एक ही इमारत में अस्पताल के नाम बदलते रहे। कभी न्यू लाइफ, फिर ग्रेस, उसके बाद केपीएस और अब मॉडर्न लाइफ। सवाल यह है कि क्या अस्पताल का बोर्ड बदलते ही वहां की पुरानी कमियां, शिकायतें और जिम्मेदारियां भी समाप्त हो जाती हैं? क्या मरीजों की सुरक्षा का प्रमाणपत्र भी पेंट की तरह है, जिसे पुराना नाम मिटाकर नया लगा दिया जाए? विडंबना देखिए, जिस स्वास्थ्य विभाग पर मरीजों की जिंदगी की निगरानी की जिम्मेदारी है, उसी के कुछ कर्मचारियों पर कथित तौर पर बंद अस्पतालों को दोबारा चलवाने के सौदेबाजी के आरोप हैं। सील लगाने की कार्रवाई यदि कुछ दिनों बाद नए नाम के बोर्ड के आगे बेअसर हो जाए तो फिर सरकारी मुहर का मतलब ही क्या रह जाता है? अब जरूरत केवल जांच कमेटी बनाने की नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की है। अस्पतालों के रजिस्ट्रेशन, डॉक्टरों की योग्यता और पुराने मामलों की डिजिटल निगरानी होनी चाहिए। सील भवन में बिना अनुमति इलाज मिले तो संचालक के साथ जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही भी तय हो।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था को नाम बदलने का कारोबार नहीं, भरोसे का संस्थान बनाना होगा। मरीज अस्पताल में जिंदगी बचाने की उम्मीद लेकर पहुंचता है, किसी नए बोर्ड के पीछे छिपे पुराने खतरे से मिलने नहीं। सरकार को तय करना होगा कि अस्पतालों पर ताला मरीजों की सुरक्षा के लिए लगता है या रिश्वत का रास्ता खुलने तक इंतजार करने के लिए!

नजरिया

विकास की चमक में घुटती सांसें, जिम्मेदार कौन

बोध प्रकाश सगुणी

भारत में अब सांस लेना भी किसी उपलब्धि से कम नहीं रह गया है। कभी सुबह की ताजी हवा स्वास्थ्य और नई ऊर्जा का संदेश देती थी, लेकिन अब सुबह की सैर पर निकलने से पहले यह जानना जरूरी हो गया है कि बाहर की हवा कितनी जहरीली है। शहरों में सूरज बाद में निकलता है, धुंध पहले छा जाती है। आसमान का रंग बदल गया है और सरकारों के दावों का रंग अब भी हरा बना हुआ है। विडंबना देखिए, जिस हवा पर किसी का अधिकार नहीं होना चाहिए, उस पर भी प्रदूषण ने अमीर और गरीब के बीच अंतर पैदा कर दिया है। जिसके पास पैसा है, वह घर में एयर प्यूरीफायर लगाकर स्वच्छ हवा खरीद रहा है और जिसके पास साधन नहीं हैं, वह उसी जहरीली हवा को मुफ्त में ग्रहण करने को मजबूर है।

प्रदूषण का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि इसके लिए जिम्मेदार हर व्यक्ति दूसरे को दोषी ठहराने में जुटा है। दिवाली आती है तो पटाखे निशाने पर आ जाते हैं, सर्दियां आती हैं तो पराली पर बहस शुरू हो जाती है, गर्मियां आती हैं तो धूल और निर्माण कार्यों को कटघरे में खड़ा कर दिया जाता है। वाहन चलते हैं तो सरकार सार्वजनिक परिवहन की कमी पर चुप रहती है और उद्योग धुआं छोड़ते हैं तो विकास की दुहाई दी जाने लगती है। यानी प्रदूषण का कोई स्थायी जिम्मेदार नहीं, लेकिन इसकी सजा भुगतने वाली जनता स्थायी है। हर साल प्रदूषण का मौसम आता है, बैठकें होती हैं, आदेश निकलते हैं, जुर्माने लगते हैं और कुछ दिनों बाद सब कुछ पुराने ढर्रे पर लौट आता है।

त्योहारों के नाम पर होने वाली आतिशबाजी भी इस समस्या को गंभीर बनाती है। कुछ घंटे आसमान में रंगीन रोशनी बिखेरने का शौक कई दिनों तक हवा में जहरीले कण घोल देता है। तर्क दिया जाता है कि पटाखे परंपरा का हिस्सा हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या परंपरा निभाने के लिए दूसरों की सेहत दांव पर लगाना जरूरी है? उत्सव खुशियां बांटने के लिए होते हैं, सांसों पर संकट बढ़ाने के लिए नहीं। संस्कृति की रक्षा का दावा करने वालों को यह भी समझना होगा कि स्वच्छ हवा और स्वस्थ जीवन भी हमारी संस्कृति और सभ्यता की बुनियादी जरूरत हैं।

दूसरी तरफ सड़कों पर वाहनों का धुआं किसी स्थायी सरकारी योजना की तरह लगातार जारी है। हर घर में एक से अधिक वाहन होना अब सुविधा से ज्यादा प्रतिष्ठा का विषय बन चुका है। सार्वजनिक परिवहन की बदहाल व्यवस्था लोगों को निजी गाड़ियों पर निर्भर करती है। नतीजा यह कि सड़क पर जाम, जाम में धुआं और धुएं में घुटती जिंदगी। फ्लाईओवर बन रहे हैं, सड़कें चौड़ी हो रही हैं, नए वाहन बिक रहे हैं, लेकिन हवा साफ करने की योजना अक्सर कागजों में ही दौड़ती दिखाई देती है। विकास की रफ्तार इतनी तेज है कि उसके पीछे छूटती सांसों की आवाज किसी को सुनाई नहीं देती।

स्वीडन के कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट से जुड़ी बताई गई रिसर्च के आंकड़े इस संकट की भयावहता को सामने रखते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2009 से 2019 के बीच भारत में वायु प्रदूषण के कारण 38 लाख लोगों की असामयिक मौत हुई। यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं, बल्कि हमारी नीतियों और सामाजिक व्यवहार पर गंभीर सवाल है। प्रदूषण का असर केवल फेफड़ों तक सीमित नहीं रहता। हृदय, मस्तिष्क और शरीर के दूसरे महत्वपूर्ण अंग भी इसकी चपेट में आते हैं। लंबे समय तक प्रदूषित हवा में रहने से जीवन की गुणवत्ता और औसत जीवन प्रत्याशा प्रभावित होती है। सोचने वाली बात है कि जिस देश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की बात होती है, वहां लोगों को बीमार करने वाली हवा पर नियंत्रण अब भी बड़ी चुनौती बना हुआ है।

प्रदूषण का सबसे बड़ा व्यंग्य यह है कि इसकी मार सब पर पड़ती है, लेकिन बचाव



का अवसर सबको बराबर नहीं मिलता। आलीशान इमारतों में रहने वाले लोग एयर प्यूरीफायर खरीद सकते हैं, महंगी गाड़ियां चला सकते हैं और जरूरत पड़ने पर प्रदूषित शहर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन सड़क किनारे दुकान लगाने वाला, रिक्शा चलाने वाला, निर्माण स्थल पर काम करने वाला मजदूर और खुले में पढ़ने वाला बच्चा कहां जाए? उसके लिए न हवा बदलने का विकल्प है और न सांस खरीदने की सुविधा। पर्यावरण की यह असमानता बताती है कि प्रदूषण केवल वैज्ञानिक या प्रशासनिक समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का सवाल भी है।

सरकारों को भी अब बैठकों और चेतावनियों से आगे बढ़ना होगा। प्रदूषण नियंत्रण के लिए सालभर की ठोस कार्ययोजना चाहिए। पुराने प्रदूषणकारी वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई, सार्वजनिक परिवहन का विस्तार, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण, औद्योगिक उत्सर्जन की निगरानी और हरित क्षेत्रों का संरक्षण प्राथमिकता बनना चाहिए। पराली प्रबंधन के लिए किसानों को केवल आदेश नहीं, व्यावहारिक विकल्प और आर्थिक सहायता भी देनी होगी। साथ ही, प्रदूषण फैलाने वालों पर कार्रवाई राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव से मुक्त होनी चाहिए।

नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। निजी वाहनों का अनावश्यक इस्तेमाल घटाना, कचरा और पत्तियां खुले में न जलाना तथा पर्यावरण अनुकूल उत्सव मनाना हमारी रोजमर्रा की आदतों का हिस्सा बनना चाहिए। हालांकि पूरी जिम्मेदारी जनता पर डालकर प्रशासन अपनी जवाबदेही से नहीं बच सकता।

अब समय आ गया है कि विकास की परिभाषा पर दोबारा विचार किया जाए। ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें और चमचमाते बाजार तभी विकास कहलाएंगे, जब उनके बीच रहने वाला इंसान चैन से सांस ले सके। वरना यह कैसा विकास है, जिसमें अर्थव्यवस्था के आंकड़े ऊपर जा रहे हैं और हवा की गुणवत्ता नीचे? सरकारों को समझना होगा कि प्रदूषण पर नियंत्रण कोई मौसमी अभियान नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन के प्रति जवाबदेही है। आखिर जनता को केवल अच्छे दिनों का वादा नहीं, सांस लेने लायक हवा भी चाहिए। क्योंकि जब हवा ही जहरीली हो जाएगी तो विकास के तमाम विज्ञापन पढ़ने के लिए स्वस्थ आंखें और सांसें कहां बचेंगी?

विचार विंडो

शर्म का पहरा हटा, अपराधियों का हौंसला बढ़ा

नीरज शर्मा

कभी समाज में कानून की किताब से पहले लोकलाज का पहरा हुआ करता था। कोई गलत काम करने से पहले व्यक्ति सौ बार सोचता था कि मोहल्ले के लोग क्या कहेंगे, रिश्तेदारों को पता चला तो क्या होगा और परिवार की प्रतिष्ठा पर कैसी आंच आएगी। गलती करने वाले को पुलिस से पहले समाज की नजरों का डर सताता था। लेकिन अब जमाना बदल गया है। मोहल्ले की सड़क पर स्टंट करना, गाड़ियों के शीशे तोड़ना, खुलेआम हथियार लहराना और छोटी-छोटी बातों पर मारपीट करना कुछ युवाओं के लिए बहादुरी का प्रदर्शन बन गया है। हैरानी की बात यह है कि आसपास खड़े लोग तमाशबीन बने रहते हैं और कई बार मोबाइल निकालकर वीडियो बनाने में जुट जाते हैं। अपराध रोकने की जिम्मेदारी मानो सिर्फ पुलिस की है, समाज का उससे कोई लेना-देना ही नहीं!

दरअसल, अपराध का बढ़ता दुस्साहस केवल कानून की कमजोरी का परिणाम नहीं है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के कमजोर पड़ने का संकेत भी है। पहले परिवार और मोहल्ले के बड़े-बुजुर्ग बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखते थे। किसी किशोर को गलत रास्ते पर जाते देखकर समझाने वाले कई लोग मिल जाते थे। आज स्थिति यह है कि पड़ोसी के घर में क्या हो रहा है, इसकी जानकारी रखने से भी लोग बचते हैं। कहीं कोई कुछ कह दे तो विवाद का डर सताने लगता है। नतीजा यह कि गलत करने वाले को रोकने वाला कोई नहीं और सही बात कहने वाला खुद को मुसीबत में डालने से डरता है।

धार्मिक कथाओं में कंस और दुर्योधन के उदाहरण इस संदर्भ में विचार करने योग्य हैं। सत्ता, शक्ति और अहंकार के मद में



उन्होंने परिवार तथा समाज की मर्यादाओं की परवाह नहीं की। जब व्यक्ति के भीतर से बड़ों का सम्मान, रिश्तों का लिहाज और सामाजिक मर्यादा का भय समाप्त हो जाता है, तब उसका व्यवहार निरंकुश होने लगता है। आज भी कुछ युवा इसी मानसिकता के साथ सार्वजनिक जीवन में दिखाई देते हैं। उन्हें लगता है कि तेज रफ्तार से गाड़ी दौड़ाना, हथियार दिखाना या कानून को चुनौती देना उनकी ताकत का प्रमाण है। जबकि वास्तविक साहस दूसरों की सुरक्षा और सम्मान का ध्यान रखने में है।

इस समस्या का एक बड़ा कारण सोशल मीडिया पर दिखावे की संस्कृति भी है। कुछ युवाओं के लिए लोकप्रियता पाने का रास्ता अब अच्छे कामों से नहीं, बल्कि खतरनाक करतबों और दबंगई के वीडियो से होकर गुजरता दिखाई देता है। गाड़ी पर स्टंट किया, हथियार के साथ तस्वीर खिंचवाई, सड़क पर हंगामा किया और फिर वीडियो इंटरनेट पर डाल दिया। कुछ लाइक और कमेंट मिलने पर उन्हें लगता है कि उन्होंने कोई बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। सवाल यह है कि क्या समाज ऐसी हरकतों को मनोरंजन समझकर अनदेखा करता रहेगा? जिस व्यवहार पर रोक लगनी चाहिए, उसे तालियां और दर्शक मिलेंगे तो उसका बढ़ना स्वाभाविक है।

दूसरी ओर पुलिस व्यवस्था की सीमाएं भी समझनी होंगी। उपलब्ध कराए गए आंकड़े के मुताबिक, भारत में प्रति दस लाख आबादी पर लगभग 150 पुलिसकर्मी हैं और उनमें से भी बड़ी संख्या गैर-पुलिस कार्यों में लगी रहती है। ऐसे में हर गली, सड़क, कॉलोनी और सार्वजनिक स्थान पर पुलिस की मौजूदगी की उम्मीद करना व्यावहारिक नहीं है। पुलिस अपराध होने के बाद कार्रवाई कर सकती है, लेकिन हर घर के भीतर पनप रही आपराधिक मानसिकता को अकेले नहीं बदल सकती। इसके लिए परिवार, विद्यालय और समाज को भी आगे आना होगा। पुलिस पर पूरी जिम्मेदारी डालकर बाकी लोगों का हाथ पर हाथ धरे बैठे रहना समस्या को और गंभीर बनाएगा।

परिवार की भूमिका यहां सबसे महत्वपूर्ण है। बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा और बेहतर सुविधाएं देना पर्याप्त नहीं है। उन्हें सही और गलत का अंतर समझाना भी जरूरी है। माता-पिता को यह जानना चाहिए कि उनके बच्चे किन लोगों के साथ समय बिता रहे हैं, इंटरनेट पर क्या देख रहे हैं और किस तरह की गतिविधियों में रुचि ले रहे हैं। बच्चों की हर गलती को उम्र का असर बताकर टाल देना भविष्य में बड़ी परेशानी का कारण बन सकता है। प्यार का अर्थ गलतियों पर पर्दा डालना नहीं, बल्कि समय रहते सही दिशा दिखाना है। घर में अनुशासन और संवाद दोनों जरूरी हैं।

समाज को भी अपनी सामूहिक शक्ति फिर से पहचाननी होगी। मोहल्लों में नागरिक समितियां सक्रिय हों, स्कूलों में नैतिक जिम्मेदारी और कानून के प्रति सम्मान की शिक्षा दी जाए तथा स्थानीय स्तर पर पुलिस और नागरिकों के बीच संवाद बढ़ाया जाए। कहीं कोई गलत गतिविधि दिखाई दे तो सुरक्षित तरीके से संबंधित अधिकारियों को सूचना दी जाए। इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं कि नागरिक कानून अपने हाथ में लें या किसी को भीड़ के जरिए सजा देने लगें। सामाजिक निगरानी का उद्देश्य अपराध रोकना और कानून व्यवस्था को सहयोग देना होना चाहिए, न कि निजी दुश्मनी निकालना।

सबसे बड़ी जरूरत है कि अपराध को सामान्य मानने की मानसिकता बदली जाए। सड़क पर किसी की गाड़ी तोड़ना, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना या दूसरों की जान खतरे में डालना कोई शरारत नहीं, बल्कि गंभीर गैरजिम्मेदाराना व्यवहार है। ऐसे मामलों में प्रभावी और निष्पक्ष कार्रवाई जरूरी है। रसूख, पहचान और राजनीतिक पहुंच के आधार पर कानून का व्यवहार नहीं बदलना चाहिए।

समाज की प्रतिष्ठा केवल बड़ी इमारतों, महंगे बाजारों और आधुनिक सुविधाओं से नहीं बनती, बल्कि इस बात से बनती है कि वहां रहने वाले लोग कितने सुरक्षित और जिम्मेदार हैं। पुलिस की वर्दी अपराध रोकने के लिए जरूरी है, लेकिन समाज का विवेक भी उतना ही जरूरी है। जिस दिन मोहल्ले का जिम्मेदार नागरिक गलत को गलत कहने लगेगा, परिवार अपनी जिम्मेदारी समझेगा और युवा लोकप्रियता के बजाय चरित्र को महत्व देंगे, उसी दिन अपराधियों के हौसले पर वास्तविक अंकुश लगेगा। आखिर सवाल यह है कि हम अपने बच्चों को कानून का सम्मान करना सिखाएंगे या कानून को चुनौती देने का तमाशा देखते रहेंगे? समाज की चुप्पी अपराधियों की सबसे बड़ी ताकत है। अब इस चुप्पी को तोड़ने का समय है।

विश्व स्नूकर चैंपियनशिप का हुआ आगाज, 22 भारतीय खिलाड़ी शामिल

12 से 21 नवंबर तक यशवंत क्लब में होंगे मुकाबले

30 से अधिक देशों के खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

पहली बार इंदौर में होगा इतने बड़े स्तर का अंतरराष्ट्रीय आयोजन



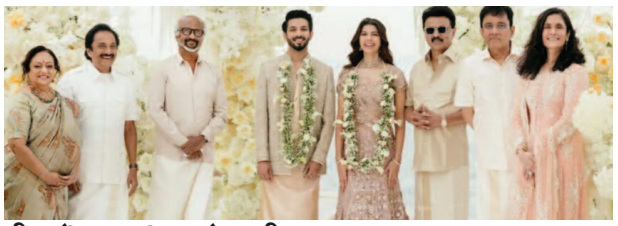
यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के इंदौर में गुरुवार, 12 नवंबर से विश्व स्नूकर चैंपियनशिप 2026 का आगाज होने जा रहा है। शहर के यशवंत क्लब में 21 नवंबर तक चलने वाली इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में दुनिया के 30 से अधिक देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। चैंपियनशिप में भारत की 22 सदस्यीय टीम भी अपनी चुनौती पेश करेगी। इसमें दिग्गज स्नूकर खिलाड़ी पंकज आडवाणी और महिला चैंपियन अनुपमा रामचंद्रन प्रमुख रूप से शामिल हैं।

पहली बार इंदौर में इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय स्तर की स्नूकर प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है, जिसे लेकर खेल प्रेमियों में खासा उत्साह है। प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर 12 नवंबर को शाम 7 बजे खिलाड़ियों और रेफरियों की महत्वपूर्ण बैठक होगी। इसमें प्रतियोगिता से जुड़ी तैयारियों और अन्य जरूरी जानकारियों पर चर्चा की जाएगी। इसके बाद 13 नवंबर से क्वालिफाइंग मुकाबलों की शुरुआत होगी। विभिन्न देशों के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और प्रदर्शन के दम पर विश्व चैंपियन बनने के लिए जोर लगाएंगे।

भारतीय खिलाड़ियों से भी शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। इस आयोजन से इंदौर को अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान मिलने की संभावना है। प्रतियोगिता में विदेशी खिलाड़ियों, अधिकारियों और खेल से जुड़े लोगों की मौजूदगी से शहर में खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इंदौर की मेजबानी क्षमता और खेल सुविधाओं को प्रदर्शित करने का भी अवसर मिलेगा। 21 नवंबर तक चलने वाली इस चैंपियनशिप पर खेल प्रेमियों की नजरें रहेंगी।

काव्या-अनिरुद्ध की शादी में रजनीकांत और स्टालिन ने दिया आशीर्वाद



ग्रीस में 11 नवंबर को शादी के बंधन में बंधा कपल

सोशल मीडिया पर शेयर की शादी समारोह की खूबसूरत तस्वीरें

यूनिक समय, नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन और मशहूर संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर 11 नवंबर 2026 को ग्रीस में शादी के बंधन में बंध गए। उनकी शादी का जश्न खास रहा, जिसमें सुपरस्टार रजनीकांत और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन समेत कई बड़ी हस्तियां शामिल हुईं। सभी ने नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया। अनिरुद्ध ने शादी समारोह की कुछ नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जिनमें कपल के खास पलों की झलक देखने को मिल रही है। शादी के लिए काव्या ने सिल्वर हाई नेक स्लीवलेस ब्लाउज के साथ भूरे-टौप रंग की खूबसूरत स्कर्ट पहनी थी। उनके आउटफिट पर मोतियों और सीक्विन की बारीक कढ़ाई की गई थी। वहीं, अनिरुद्ध बेज-क्रीम रंग की प्रिंटेड जैकेट, भूरे रंग की शर्ट और चारकोल ग्रे ट्राउजर में नजर आए। दोनों का लुक काफी स्टाइलिश और आकर्षक था। शादी की तस्वीरों में काव्या और अनिरुद्ध रजनीकांत तथा एमके स्टालिन के साथ पोज देते दिखाई दिए। कपल ने अपनी शानदार एंट्री के वीडियो भी साझा किए। इससे पहले अनिरुद्ध ने शादी की पहली तस्वीर पोस्ट करते हुए 11.11 को अपनी जिंदगी का खास पल बताया था।

12 फिल्मों से निकाली गईं, मनहूस तक कहा गया, विद्या बालन ने ऐसे बदली किस्मत

अपमान के बाद 6 महीने तक आईने में नहीं देखा चेहरा

'परिणीता' से मिली पहचान,नेशनल अवॉर्ड और पद्मश्री तक पहुंचा सफर

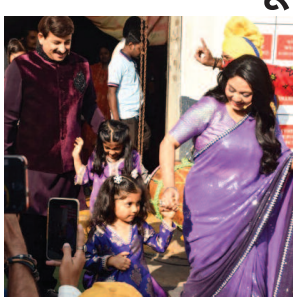


यूनिक समय, नई दिल्ली। आज बॉलीवुड की दमदार अभिनेत्रियों में शुमार विद्या बालन के लिए सफलता का रास्ता आसान नहीं रहा। करियर की शुरुआत में उन्हें कई बार रिजेक्शन और अपमान का सामना करना पड़ा। यहां तक कि उन्हें मनहूस कहकर करीब 12 फिल्मों से बाहर कर दिया गया था। मोहनलाल के साथ उनकी पहली मलयालम फिल्म 'चक्रम' प्रोडक्शन संबंधी कारणों से बंद हो गई थी, जिसका दोष विद्या पर मढ़ दिया गया। एक निर्माता ने तो उनके लुक पर सवाल उठाते हुए पूछा था कि क्या वह हीरोइन जैसी दिखती हैं। इस टिप्पणी से विद्या इतनी आहत हुईं कि करीब छह महीने तक आईने में अपना चेहरा देखने की हिम्मत नहीं जुटा पाईं। विद्या ने 16 साल की उम्र में टीवी शो 'हम पांच' से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने करीब 60 विज्ञापनों और कई म्यूजिक वीडियो में काम किया। निर्देशक प्रदीप सरकार ने उनकी प्रतिभा पहचानी और फिल्म 'परिणीता' में मौका दिलाया। इसके लिए विद्या को 60 से ज्यादा स्क्रीन टेस्ट देने पड़े। 2005 में रिलीज हुई इस फिल्म ने उनकी किस्मत बदल दी और उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट फीमेल डेब्यू अवॉर्ड मिला। इसके बाद 'लगे रहो मुन्नाभाई', 'भूल भुलैया', 'पा', 'इश्किया', 'द डर्टी पिक्चर' और 'कहानी' जैसी फिल्मों से उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। 'द डर्टी पिक्चर' के लिए उन्हें नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। 2014 में उन्हें पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया।

बड़ी हो गईं मनोज तिवारी की दोनों बेटियां, मम्मी-पापा संग किया डेब्यू

रियलिटी शो 'धमाल विद पति पत्नी और पंगा' के सेट पर पहुंची सान्विका और मनोग्या

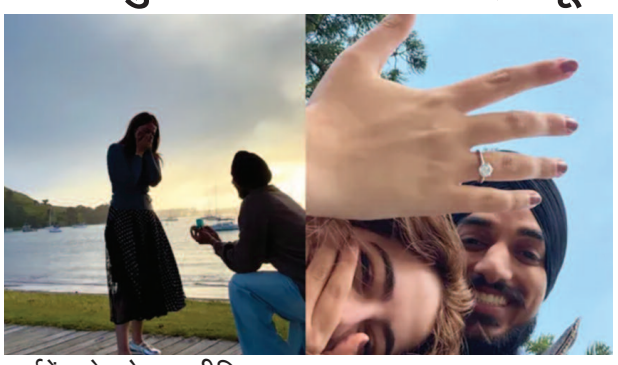
परिवार की तस्वीरें देखकर खुश हुए फैंस



यूनिक समय, नई दिल्ली। भोजपुरी सुपरस्टार और बीजेपी सांसद मनोज तिवारी इन दिनों अपनी पत्नी सुरभि तिवारी के साथ रियलिटी शो 'धमाल विद पति पत्नी और पंगा' में नजर आ रहे हैं। अब इस शो में उनके परिवार की भी खास झलक देखने को मिली है। मनोज और सुरभि की दोनों बेटियां सान्विका और मनोग्या अपने माता-पिता के साथ शो के सेट पर पहुंचीं। उनकी तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद फैंस काफी खुश नजर आ रहे हैं। दोनों बेटियों की मासूम अदाओं और परिवार के साथ मस्ती करते वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा बटोर रहे हैं। सान्विका का जन्म साल 2020 में हुआ था, जबकि छोटी बेटी मनोग्या का जन्म 2022 में हुआ। दोनों की उम्र में महज दो साल का अंतर है। इससे पहले मनोज तिवारी अपनी पत्नी सुरभि और मां के साथ शो के सेट पर पहुंचे थे।

इस दौरान उनकी मां के साथ गाना गाने का भावुक पल भी देखने को मिला था। बता दें कि मनोज तिवारी और सुरभि की शादी 27 अप्रैल 2020 को हुई थी। दोनों की मुलाकात एक रियलिटी शो के दौरान हुई थी। धीरे-धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदली और दोनों ने शादी कर ली। अब शो में उनकी जोड़ी और पारिवारिक अंदाज दर्शकों को पसंद आ रहा है।

अर्शदीप सिंह ने समरीन को किया प्रपोज, घुटनों पर बैठकर पहनाई अंगूठी



गर्लफ्रेंड ने सोशल मीडिया पर शेयर की रोमांटिक तस्वीरें, लिखा-उम्र भर के साथ के नाम

अर्शदीप जल्द शुरू करेंगे जिंदगी की नई पारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने न्यूजीलैंड में अपनी गर्लफ्रेंड समरीन कौर को शादी के लिए प्रपोज किया है। उन्होंने बेहद रोमांटिक अंदाज में घुटनों पर बैठकर समरीन को अंगूठी पहनाई। समरीन ने भी उनका प्रपोजल स्वीकार कर लिया।

इस खास पल की तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जो तेजी से वायरल हो रही हैं। समरीन ने तस्वीरों के साथ खास कैप्शन भी लिखा। उन्होंने कहा कि जिंदगी ने उन्हें जो सबसे खूबसूरत तोहफा दिया है, वह एक-दूसरे का साथ है। उन्होंने लिखा, 'जिंदगी हमें जो कुछ भी दे सकती थी, उसमें से मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि उसने हमें एक-दूसरे का साथ दिया।

उम्र भर के साथ के नाम।' इसके साथ उन्होंने अर्शदीप को अपना मंगेतर बताया। अर्शदीप और समरीन पिछले कई महीनों से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। कुछ समय पहले ही अर्शदीप ने सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते को आधिकारिक किया था।

फिलहाल वह न्यूजीलैंड में भारतीय टीम के साथ वनडे सीरीज के लिए मौजूद हैं। हालांकि, दोनों की सगाई और शादी की तारीख को लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। वह ट्रेड के जरिए पंजाब किंग्स से मुंबई इंडियंस में शामिल हो गए हैं।

आईपीएल ऑक्शन में फिर उतरेंगे मुस्तफिजुर रहमान

बांग्लादेश के तेज गेंदबाज ने आईपीएल-2027 मिनी ऑक्शन के लिए कराया रजिस्ट्रेशन

हिंदुओं पर हमलों के बाद हुआ था विरोध

देश के 6 अन्य खिलाड़ी भी नीलामी में लेंगे हिस्सा



यूनिक समय, नई दिल्ली। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान एक बार फिर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने आईपीएल-2027 के मिनी ऑक्शन के लिए अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अधिकारी शहरयार नफीस ने इसकी पुष्टि की है। मुस्तफिजुर के अलावा बांग्लादेश के छह अन्य खिलाड़ियों ने भी नीलामी के लिए नाम भेजे हैं। पिछले सीजन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने मुस्तफिजुर को 9.20 करोड़ रुपए में खरीदा था। इसके साथ ही वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे बांग्लादेशी खिलाड़ी बने थे। हालांकि, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमलों के बाद उनके आईपीएल में खेलने को लेकर भारत में विरोध शुरू हो गया था। विवाद बढ़ने पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश के बाद केकेआर ने उन्हें टीम से रिलीज कर दिया था। यह मामला उस समय और चर्चा में आया, जब बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में खेलने से इनकार कर दिया था। इसके बाद बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल किया गया। बीसीबी अधिकारी शहरयार नफीस के मुताबिक, मुस्तफिजुर के अलावा नाहिद राणा, रिशाद हुसैन, हसन महमूद, तौहीद हृदोय, तस्कीन अहमद और शोरिफुल इस्लाम ने भी आईपीएल ऑक्शन के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। नफीस ने बताया कि यह मिनी ऑक्शन की सामान्य प्रक्रिया है और आईपीएल ने सभी क्रिकेट बोर्ड से नीलामी में शामिल होने के इच्छुक खिलाड़ियों की सूची मांगी है। इस बीच बीसीबी को उम्मीद है कि भारतीय टीम जनवरी 2027 में बांग्लादेश का दौरा कर सकती है। यह दौरा पहले अगस्त 2025 में प्रस्तावित था, लेकिन इसे टाल दिया गया था। कार्यक्रम के तहत भारत को तीन वनडे और तीन टी-20 मैच खेलने हैं। हालांकि, नए दौरे का आधिकारिक कार्यक्रम अभी घोषित नहीं हुआ है। भारत ने आखिरी बार दिसंबर 2022 में बांग्लादेश का दौरा किया था। उस समय बांग्लादेश ने वनडे सीरीज 2-1 से जीती थी, जबकि भारत ने टेस्ट सीरीज 2-0 से अपने नाम की थी।

न्यूजीलैंड टीम में 31 साल के ब्रेट रैंडेल की एंट्री

यूनिक समय, नई दिल्ली। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों के लिए अपनी टीम में बदलाव किया है। 31 साल के तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल को पहली बार सीनियर इंटरनेशनल टीम में जगह मिली है। वहीं, ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन पांचवें और आखिरी वनडे के लिए टीम से जुड़ेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। सीरीज का चौथा मुकाबला शुक्रवार को माउंट माउंगानुई में खेला जाएगा, जबकि पांचवां मैच रविवार को होगा। पांच मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 2-0 से आगे है। तीसरा मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वाल्टर ने रैंडेल के चयन पर खुशी जताई। उन्होंने बताया कि तेज गेंदबाज घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और इस मौके के हकदार हैं। रैंडेल अब तक 145 प्रोफेशनल मुकाबले खेल चुके हैं। वह इंग्लैंड की काउंटी टीम डर्बीशायर का भी हिस्सा रह चुके हैं। पांचवें वनडे के लिए जोश क्लार्कसन के अलावा तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को भी शामिल किया गया है। मैट हेनरी और काइल जैमीसन इस मुकाबले में नहीं खेलेंगे। वहीं, न्यूजीलैंड का भारत दौरा 19 नवंबर से टेस्ट सीरीज के साथ आगे बढ़ेगा। इसके लिए कोचिंग स्टाफ के कुछ सदस्य पहले ही टेस्ट टीम की तैयारियों में जुट गए हैं।

लखनऊ की गुटखा फैक्ट्री में भीषण आग,लाखों का सामान जलकर राख

दुबग्गा के यादव बाजार में लगी आग से फैक्ट्री का ढांचा भी क्षतिग्रस्त

दमकल की कई गाड़ियों ने घंटों की मशक्कत के बाद पाया काबू



यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के दुबग्गा कोतवाली क्षेत्र स्थित यादव बाजार में गुरुवार को एक गुटखा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग ने देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। वहां से उठता धुएं का घना गुबार दूर तक दिखाई देने लगा। घटना के बाद आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपनी दुकानों और घरों से बाहर निकल आए। आग इतनी तेज थी कि फैक्ट्री में रखा कच्चा माल, तैयार गुटखा और अन्य सामान जलकर राख हो गया। फैक्ट्री का ढांचा भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ है। संचालक को लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है। हालांकि, राहत की बात रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। फैक्ट्री में मौजूद लोग समय रहते बाहर निकल आए। आग लगने की सूचना मिलते ही दुबग्गा पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। दमकल की कई गाड़ियों ने आग बुझाने का अभियान शुरू किया। आग की भयावहता को देखते हुए दमकलकर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। घंटों की कोशिश के बाद आग पर काबू पाया जा सका। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास घेराबंदी कर भीड़ को दूर किया और यातायात व्यवस्था संभाली, ताकि राहत कार्य में कोई बाधा न आए। आग बुझने के बाद भी फैक्ट्री से धुआं निकलता रहा। दोबारा आग भड़कने की आशंका के चलते दमकलकर्मियों ने काफी देर तक कूलिंग की। फिलहाल आग लगने की असली वजह स्पष्ट नहीं हुई है। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। पुलिस और दमकल विभाग की टीमें जांच कर रही हैं। फैक्ट्री मालिक और आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

यूपी चुनाव में ओवैसी–चंद्रशेखर का गठबंधन, सभी 403 सीटों पर लड़ेंगे



'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे चंद्रशेखर

सपा और कांग्रेस को भी साथ आने का न्योता

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने गठबंधन का ऐलान किया है। दोनों दलों ने अपने गठबंधन को 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' नाम दिया है। गुरुवार को चंद्रशेखर और ओवैसी ने साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि यह मोर्चा प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगा। चंद्रशेखर आजाद गठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे। चंद्रशेखर ने कहा कि यह तीसरा मोर्चा नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव की लड़ाई है। चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि प्रदेश में बहुजन महापुरुषों के कार्यक्रमों की अनुमति नहीं दी जाती और मूर्तियां तोड़ी जाती हैं। उन्होंने कहा कि सरकारें बदलने के बावजूद वंचित और शोषित समुदायों की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। वहीं, ओवैसी ने कहा कि यह गठबंधन बीजेपी को यूपी में तीसरी बार सत्ता में आने से रोकने के लिए मजबूत मोर्चा बनेगा। उन्होंने बेरोजगारी और वंचित वर्गों की समस्याओं को उठाते हुए इंसाफ की लड़ाई लड़ने की बात कही। ओवैसी ने बताया कि 26 नवंबर को मोर्चे की बैठक होगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने किश्तवाड़ में शहीद हुए जवानों का मुद्दा भी उठाया और सरकार से सुरक्षा व्यवस्था पर जवाब मांगा।

लखनऊ में महिला से बर्बरता तीन घंटे चौकी में बेहोश पड़ी रही



चार दिन बाद दर्ज हुआ हत्या के प्रयास का मुकदमा

लापरवाही के आरोपी दरोगा को ही सौंपी गई जांच

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के इंदिरानगर इलाके में महिला के साथ मारपीट और हाथ-पैर बांधकर बर्बरता करने के मामले में चार दिन बाद हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया गया। हैरानी की बात है कि मामले की जांच मानस सिटी चौकी प्रभारी अर्जुन सिंह को सौंपी गई है, जबकि पीड़ित परिवार ने उन्हीं पर लापरवाही और धमकाने का आरोप लगाया है। परिवार के मुताबिक, महिला करीब तीन घंटे तक चौकी में बेहोश पड़ी रही, लेकिन उसे समय पर इलाज के लिए नहीं भेजा गया और न ही परिजनों को सूचना दी गई। परिवार का कहना है कि 6 नवंबर को महिला सुबह टहलने निकली थी। मुर्गी फार्म मानस ग्रीन रोड के पास उसने सड़क पर आ रही गाड़ी से बचाने के लिए झुग्गी में रहने वाले एक बच्चे को किनारे खींच लिया। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। आरोप है कि उसके कान का बुंदा और पायल भी छीन लिए गए। महिला का पति चौकी पहुंचा तो वह बेहोश मिली। बाद में उसे बलरामपुर अस्पताल ले जाया गया। परिवार ने आरोप लगाया कि पुलिस ने तीन दिन तक सुनवाई नहीं की। इसके बाद सीएम हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत की गई और घटना का वीडियो वायरल हुआ। पुलिस ने अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना के बाद इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस और पीएसी तैनात की गई है। डीसीपी पूर्वी डॉ. दीक्षा शर्मा ने बताया कि मुकदमा दर्ज करने में देरी की जांच एसीपी को सौंपी गई है। लापरवाही मिलने पर कार्रवाई होगी।

उदयभान करवरिया का शक्ति प्रदर्शन, लहराए तलवार–फरसे



101 ब्राह्मणों ने शंखनाद से शुरू किया कार्यक्रम

हाईवे पर लगा दो किलोमीटर लंबा जाम

यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज में पूर्व विधायक उदयभान करवरिया ने गुरुवार को रामपुर करछना में 'सही दिशा, सही वक्त' नाम से शक्ति प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत 101 ब्राह्मणों ने शंखनाद करके की। यह आयोजन उनके बेटे सक्षम करवरिया की ओर से कराया गया है। उदयभान जब अपने घर से समर्थकों के काफिले के साथ कार्यक्रम स्थल के लिए निकले तो समर्थकों ने तलवार और फरसे लहराकर उनका स्वागत किया। इस दौरान कई जिलों से लोग कार्यक्रम में पहुंचे। उदयभान करवरिया के काफिले और समर्थकों की भीड़ के चलते प्रयागराज-मिर्जापुर हाईवे पर करीब दो किलोमीटर लंबा जाम लग गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं। मंच पर पहुंचने के बाद उदयभान ने भगवा झंडा लहराया और समर्थकों ने उनके समर्थन में नारे लगाए। उन पर फूल भी बरसाए गए। कार्यक्रम में उदयभान ने कहा कि वह सवाल पूछने वालों का स्वागत करेंगे। उन्होंने कहा कि वह उन लोगों में से नहीं हैं, जो सवाल पूछने पर किसी को धक्का देकर पुलिस हिरासत में पिटवाते हैं। उन्होंने पद और चाटुकारिता को लेकर भी टिप्पणी की। उदयभान ने कहा कि पद छोड़कर ऐसी रैली करके दिखाने वाले नेता के वह जिंदगीभर गुलाम रहेंगे। करीब 10 साल जेल में रहने और पत्नी नीलम करवरिया के निधन के बाद उदयभान एक बार फिर समर्थकों के बीच पहुंचे हैं। उनके बेटे सक्षम ने कहा कि उनका पूरा परिवार जनता के लिए समर्पित है।

एमडीए में किसानों की महापंचायत 11 दिन से धरने पर डटे



मेरठ में लोहियानगर गंगानगर और वेदव्यासपुरी के किसान एकजुट

प्रतिकर और प्लॉट आवंटन की मांग पर अड़े

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ विकास प्राधिकरण (एमडीए) परिसर में किसानों का धरना गुरुवार को 11वें दिन भी जारी रहा। इसी बीच धरना स्थल पर किसानों की महापंचायत शुरू हो गई है। इसमें लोहियानगर, गंगानगर और वेदव्यासपुरी तीनों आवासीय योजनाओं से प्रभावित किसान शामिल हुए हैं। महापंचायत में किसानों ने लंबे समय से रुके प्रतिकर और प्लॉट आवंटन का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। किसानों का कहना है कि उनकी मांगों पर अब तक समाधान नहीं हुआ है। इसलिए वे आंदोलन खत्म करने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने साफ कहा कि जब तक बकाया प्रतिकर और प्लॉट आवंटित नहीं किए जाते, तब तक एमडीए परिसर से धरना समाप्त नहीं होगा।

किसानों ने बताया कि आंदोलन के दौरान उन्होंने अपने त्योहार भी धरना स्थल पर ही मनाए हैं, लेकिन मांगें पूरी होने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। महापंचायत में आंदोलन को आगे बढ़ाने की रणनीति पर भी चर्चा की जा रही है। किसानों का कहना है कि तीनों योजनाओं के प्रभावित किसान एकजुट होकर आंदोलन को और मजबूत करेंगे। पंचायत में शामिल संगठनों के प्रतिनिधियों से भी किसानों के मुद्दों पर समर्थन मांगा जा रहा है। किसानों ने दोहराया कि उन्हें केवल आश्वासन नहीं, बल्कि प्रतिकर और प्लॉट आवंटन को लेकर ठोस कार्रवाई चाहिए।

भाई दूज पर एक साथ उठीं चार भाइयों की अर्थियां

आगरा में सड़क हादसे ने उजाड़े दो परिवार

नौ महीने के बेटे ने पिता की चिता को दी मुखाग्नि



यूनिक समय, आगरा। आगरा में भाई दूज का त्योहार एक परिवार के लिए मातम में बदल गया। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में जान गंवाने वाले चार भाइयों की अर्थियां बुधवार शाम एक साथ उठीं तो परिजनों के साथ पूरा मोहल्ला रो पड़ा। हादसे में पहले तीन भाइयों की मौत हुई थी, जबकि गंभीर रूप से घायल चौथे भाई हरिओम ने भी मंगलवार देर रात अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतकों में तीन सगे और एक मौसेरा भाई शामिल हैं। बोदला के शारदा विहार निवासी मोहित पिछले तीन साल से दिल्ली में कार चालक थे। उन्होंने 15 दिन पहले ही नई अर्टिगा कार खरीदी थी। परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए वह टैक्सी चलाना चाहते थे। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे वह कार का पूजन कराने अपने पैतृक गांव औरैया के बिधूना क्षेत्र स्थित पटना जा रहे थे। उनके साथ भाई गोविंद, हरिओम, भतीजे हिमांशु, रोहताश और मौसेरे भाई विकास भी थे। इटावा के चौबिया थाना क्षेत्र में चौपला कट के पास उनकी कार पीछे से डीसीएम में घुस गई। हादसे में विकास, मोहित और गोविंद की मौके पर ही मौत हो गई। अस्पताल में भर्ती हरिओम ने भी देर रात दम तोड़ दिया। तीन बेटों को खोने वाले लकवाग्रस्त पिता परशुराम और बुजुर्ग मां सावित्री देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। बुधवार शाम करीब पांच बजे कैलाश घाट पर चारों का अंतिम संस्कार किया गया। सबसे दर्दनाक पल तब आया, जब महज नौ महीने के बेटे वंश ने पिता गोविंद की चिता को मुखाग्नि दी। यह दृश्य देखकर वहां मौजूद लोगों की आंखें छलक उठीं।

ग्रेटर नोएडा में अंसल बिल्डर्स पर बड़ी कार्रवाई, तीन निदेशक गिरफ्तार

यूनिक समय, ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में अंसल बिल्डर्स के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। यूपी रेरा के 77.66 करोड़ रुपये से अधिक के बकाया का भुगतान नहीं करने के आरोप में पुलिस ने कंपनी से जुड़े तीन निदेशकों को गिरफ्तार किया है। ये निदेशक अंसल हाइटेक टाउनशिप्स लिमिटेड और उत्तम स्टील्स एसोसिएट्स लिमिटेड से जुड़े हैं। दादरी के उपजिलाधिकारी ने तीनों को अधिकतम 15 दिनों तक हिरासत में रखने का आदेश दिया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बकाया नहीं चुकाने वाले बिल्डरों के खिलाफ वसूली अभियान जारी रहेगा। इससे पहले 31 अक्टूबर को दोनों कंपनियों से जुड़े निदेशक के बेटे बंटी को भी बकाया नहीं चुकाने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। जुलाई में बिल्डर का कार्यालय सील कर भुगतान के निर्देश दिए गए थे, लेकिन रकम जमा नहीं हुई। ग्रेटर नोएडा और बुलंदशहर में 1,660 एकड़ में फैली सुशांत मेगापोलिस ग्रीन हाईटेक सिटी परियोजना निर्माणाधीन है। 20 करोड़ रुपये से अधिक ब्याज भी बकाया बताया गया है।

जम्मू-कश्मीर में लापता दो एसपीओ के गोलियों से छलनी शव मिले

किश्तवाड़ के जंगल में सेना के साथ सर्च ऑपरेशन पर गए थे दोनों जवान

लापता होने के वक्त इलाके में हुई थी फायरिंग

बारामूला में दो हैंड ग्रेनेड बरामद



इसमें हमलावर 15 सेकेंड के अंदर करीब 30 राउंड फायरिंग करते नजर आ रहे हैं।



पकड़े गए आरोपी का नाम गुलाम जिलानी रेशी है, यह बदरकोट का रहने वाला है।

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में लापता हुए पुलिस के दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) के शव गुरुवार को मारवाह के जंगल में मिले। दोनों के शरीर गोलियों से छलनी थे। मृतकों की पहचान रशपाल कुमार और बाबी चंद के रूप में हुई है। दोनों सेना के साथ इलाके में तलाशी अभियान के लिए गए थे। इसी दौरान वे लापता हो गए थे। उनके पास एक इंसास राइफल और एक 303 राइफल थी, लेकिन घटनास्थल से दोनों हथियार गायब मिले। उनके लापता होने के समय जंगल में फायरिंग की आवाजें भी सुनाई दी थीं। इसी दौरान इलाके में एयरटेल नेटवर्क सेवाएं भी बाधित हुई थीं। इससे पहले 15 अक्टूबर को बशीर अहमद भी किश्तवाड़ के त्रिगाम पुलिस पिकेट से सर्विस राइफल के साथ लापता हुए थे। अगले दिन उनका शव जंगल में एक नाले के पास गड्ढे में दबा मिला था।

इधर, बारामूला जिले के तंगमर्ग स्थित बदरकोट जंगल में सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान के दौरान दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए हैं। पुलिस ने इस मामले में गुलाम जिलानी रेशी नाम के संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। वहीं, बुधवार को कुलगाम के अखरान कैंप पर बाइक सवार हमलावरों ने फायरिंग की थी। इसमें तीन जवान घायल हो गए थे। हमलावरों ने करीब 15 सेकेंड में 30 राउंड गोलियां चलाई थीं। तीनों जवानों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। हमले के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

खुले सीवर में गिरा चार साल का बच्चा, 24 घंटे बाद टुकड़ों में मिला शव

खुले मैनहोल में गिरने के बाद शुरू हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन

वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट की मशीनों से शव के टुकड़े होने की आशंका



यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के बापरोला इलाके में खुले सीवर में गिरे चार साल के बच्चे का शव करीब 24 घंटे बाद बुधवार को मिला। मासूम मंगलवार दोपहर अपनी मां के साथ दास गार्डन पार्क गया था। इस दौरान नांगली विहार एक्सटेंशन में खेरी बाबा पुल के पास नाले की तरफ जाते समय वह खुले मैनहोल में गिर गया। सूचना मिलने पर पुलिस, दमकल विभाग, स्थानीय गोताखोरों और एनडीआरएफ की टीम ने तलाश अभियान शुरू किया, लेकिन काफी कोशिशों के बावजूद बच्चे का पता नहीं चल सका। रेस्क्यू टीम ने सीवर और उससे जुड़े नाले में करीब सात घंटे तक खोजबीन की। रात में अंधेरा और कम दृश्यता होने के कारण अभियान रोकना पड़ा। बुधवार सुबह दोबारा तलाश शुरू हुई। सीवर का रास्ता नाले से जुड़ा होने के चलते टीम को बच्चे का पता लगाने में परेशानी हुई। आखिरकार तलाश करते हुए टीम निहाल विहार के निलोठी स्थित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट पहुंची, जहां बच्चे का शव कई टुकड़ों में मिला। पुलिस को आशंका है कि प्लांट में गंदे पानी की सफाई के लिए लगी बड़ी घूमने वाली मशीनों के कारण शव के टुकड़े हुए होंगे। शव की पहचान की पुष्टि के लिए डीएनए प्रोफाइलिंग कराई जाएगी। उसे संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल में सुरक्षित रखवाया गया है, जहां पोस्टमॉर्टम होगा। दिल्ली जल बोर्ड के मुताबिक, संबंधित मेंटेनेंस इंजीनियर को मंगलवार शाम 5:22 बजे घटना की सूचना मिली थी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे थे। निरीक्षण में पता चला कि इंटरसेप्टर सीवर लाइन नजफगढ़ नाले की बंद बाउंड्री वॉल के नीचे से गुजरती है। यह हिस्सा सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकार क्षेत्र में आता है। जल बोर्ड ने दावा किया कि कुछ शरारती तत्वों ने मैनहोल का ढक्कन क्षतिग्रस्त कर दिया था।

घर में रखे सोने का सोर्स बताना होगा, सुप्रीम कोर्ट की दोटूक

500 ग्राम की सीमा बताकर नहीं बच सकेंगी महिलाएं

छापेमारी में सोना जब्त न होना और उसके मालिकाना हक का प्रमाण देना अलग अलग बातें



यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने घर में रखे सोने को लेकर अहम स्पष्टीकरण दिया है। कोर्ट ने कहा कि आयकर विभाग की छापेमारी के दौरान शादीशुदा महिला के पास 500 ग्राम तक सोना जब्त नहीं किया जा सकता, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उसके स्त्रोत के बारे में सवाल नहीं पूछा जा सकता। सोना जब्त न होना और उसके मालिकाना हक को साबित करना दो अलग बातें हैं। जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस अरुण पल्ली की बेंच ने बिहार की पूर्व बाल विकास परियोजना पदाधिकारी फूलपरी कुमारी के मामले में यह टिप्पणी की। उनके खिलाफ 2015 में आय से अधिक संपत्ति का केस दर्ज हुआ था। जांच में 646.400 ग्राम सोने के आभूषण मिले थे। उन्होंने दलील दी थी कि शादीशुदा महिला के लिए 500 ग्राम और अविवाहित बेटी के लिए 250 ग्राम सोना जब्ती से सुरक्षित है। पटना हाईकोर्ट ने मई 2026 में कार्यवाही रद्द कर दी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला पलटते हुए मुकदमा बहाल कर दिया। नियम के मुताबिक छापेमारी में शादीशुदा महिला के 500 ग्राम, अविवाहित महिला के 250 ग्राम और पुरुष के 100 ग्राम तक सोने को जब्त नहीं किया जाता। हालांकि, सोना रखने की कोई अधिकतम सीमा तय नहीं है। 500 ग्राम से अधिक सोना भी रखा जा सकता है, बशर्ते उसके वैध स्त्रोत का प्रमाण हो। ऐसे में गहनों के बिल, रसीदें और विरासत से जुड़े दस्तावेज संभालकर रखना उपयोगी है।

ओडिशा में 3.03 करोड़ के घोटाले में रेवेन्यू असिस्टेंट गिरफ्तार

फर्जी बिल बनाकर सरकारी खजाने से निकाले पैसे

पत्नी-पिता और भाई समेत रिश्तेदारों के बैंक खातों में कराए ट्रांसफर



यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले में 3.03 करोड़ रुपये से अधिक के सरकारी धन के गबन के आरोप में विजिलेंस टीम ने सीनियर रेवेन्यू असिस्टेंट शशिकांत राणा को गिरफ्तार किया है। आरोपी डेराबिश ब्लॉक में तैनात था और वित्तीय गड़बड़ी सामने आने के बाद से फरार चल रहा था। विजिलेंस ने डिजिटल ट्रैकिंग की मदद से उसे पकड़ा। जांच में पता चला कि उसने स्थापना अनुभाग के प्रभारी रहते हुए वेतन, बकाया और पेंशन से जुड़े सरकारी फंड में हेराफेरी की। जांच के मुताबिक, राणा ने राजकनिका ब्लॉक में 30 अगस्त 2023 से 4 सितंबर 2024 तक तैनाती के दौरान 1.46 करोड़ रुपये से अधिक का गबन किया। इसके बाद डेराबिश ब्लॉक में 7 जनवरी से 13 अक्टूबर 2025 के बीच करीब 1.57 करोड़ रुपये की गड़बड़ी की। इस तरह कुल 3,03,65,843 रुपये का सरकारी धन गलत तरीके से निकाला गया। आरोप है कि राणा ने पोर्टल पर सेवानिवृत्त और मृत कर्मचारियों के नाम से वेतन, बकाया, ग्रेच्युटी, अप्रयुक्त अवकाश और पेंशन के फर्जी दावे तैयार किए। इसके बाद भुगतान रिकॉर्ड में बदलाव कर सरकारी रकम अपने और परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में ट्रांसफर करा दी।

इनमें पत्नी, पिता, भाई और एक रिश्तेदार के खाते शामिल हैं। रकम बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक के खातों में एनईएफटी के जरिए भेजी गई। मामले में कटक विजिलेंस थाने में केस दर्ज किया गया है। आरोपी को कटक की विशेष विजिलेंस अदालत में पेश किया जा रहा है।

राहुल गांधी हैदराबाद में डिलीवरी बॉय और कैब ड्राइवरों से मिलेंगे



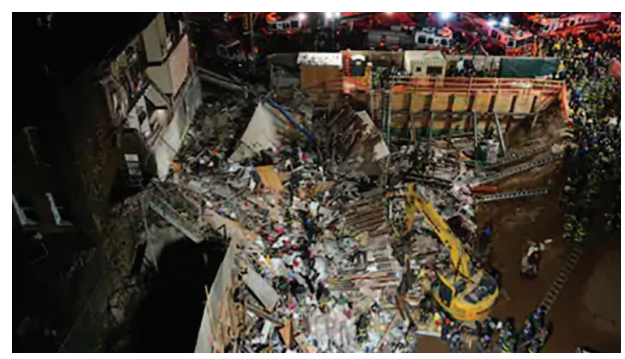
14 नवंबर को गिग वर्कर्स के लिए शुरू होगा कल्याण बोर्ड

सामाजिक सुरक्षा, दुर्घटना बीमा और रोजगार सुरक्षा पर होगी चर्चा

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 14 नवंबर को हैदराबाद में गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान वह डिलीवरी एग्जीक्यूटिव, कैब ड्राइवर और ऐप आधारित सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं और मांगें सुनेंगे। कार्यक्रम हैदराबाद इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एचआईसीसी) के पास आयोजित होगा। इसमें गिग वर्कर्स की एक छोटी रैली भी निकाली जाएगी। इस कार्यक्रम के दौरान तेलंगाना में गिग वर्कर्स के लिए कल्याण बोर्ड की शुरुआत होगी। इसके जरिए कर्मचारियों के लिए कानून और कल्याणकारी योजनाएं लागू की जाएंगी। राहुल गांधी इनसे जुड़ी सरकारी योजनाओं का उद्घाटन भी कर सकते हैं।

तेलंगाना सरकार ने गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए तेलंगाना प्लेटफॉर्म-बेस्ड गिग वर्कर्स (रजिस्ट्रेशन, सोशल सिक्योरिटी एंड वेलफेयर) एक्ट, 2026 बनाया है। यह कानून 2 जून से लागू है। अब 14 नवंबर को इसके तहत तैयार किए गए नियमों की अधिसूचना जारी की जाएगी। तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन के संस्थापक शेख सलाउद्दीन ने राहुल गांधी के दौरे को महत्वपूर्ण बताया। रैली में किसी राजनीतिक संगठन की भागीदारी नहीं होगी। इससे पहले राहुल गांधी बेंगलुरु, हैदराबाद और दिल्ली में डिलीवरी वर्कर्स, ड्राइवरों और उनके प्रतिनिधियों से मुलाकात कर चुके हैं।

न्यूयॉर्क में 96 साल पुरानी इमारत ढही, दो की मौत



यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के न्यूयॉर्क में बुधवार को तीन मंजिला इमारत ढहने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग मलबे में दब गए। हादसा ब्रुकलिन के फ्लैटबुश इलाके में हुआ। 96 साल पुरानी इस इमारत के गिरने से चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जबकि छह अन्य को मामूली चोटें आई हैं। राहतकर्मियों ने मलबे से एक गर्भवती महिला और एक बच्चे को भी बाहर निकाला। हादसे के बाद करीब 250 राहतकर्मी बचाव अभियान में जुट गए। मलबे में फंसे लोगों की तलाश के लिए खोजी कुत्तों और ड्रोन की मदद ली जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, शाम करीब 6:30 बजे एक व्यक्ति मलबे के बीच बने गड्ढे में जिंदा मिला। उसे एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। बताया गया कि इमारत एक निर्माण स्थल के किनारे स्थित थी। वहां पहले एक मंजिला इमारत को गिराया गया था और इसके बाद जमीन की खुदाई का काम चल रहा था। इसी दौरान तीन मंजिला इमारत ढहकर निर्माण स्थल के गड्ढे में जा गिरी। बचावकर्मी भारी मशीनों के बजाय हाथों से मलबा हटा रहे हैं, क्योंकि आसपास की दूसरी इमारतों के गिरने का खतरा है। स्थानीय बिल्डिंग डिपार्टमेंट के रिकॉर्ड के मुताबिक, इसी निर्माण स्थल पर अप्रैल में नियमों के उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ था। काम रोकने के आदेश के बावजूद निर्माण जारी रखने का आरोप था।

हाईवे किनारे जंगल में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव,कुत्तों ने नोचा चेहरा

यूनिक समय, चौमुहां। थाना छाता क्षेत्र के अकबरपुर गांव के पास गुरुवार तड़के हाईवे किनारे जंगल में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव हाईवे से करीब 50 मीटर अंदर पड़ा था। मृतक के चेहरे और पैरों को कुत्तों ने नोच रखा था। शव की हालत देखकर उसके काफी पुराना होने की आशंका जताई जा रही है।

अकबरपुर गांव के पास झाड़ियों में पड़ा था शव करीब 45 वर्ष बताई जा रही मृतक की उम्र

सुबह शौच के लिए जंगल की ओर गए ग्रामीणों की नजर शव पर पड़ी तो उन्होंने तत्काल केडी पुलिस चौकी को सूचना दी। जानकारी मिलते ही चौकी प्रभारी अमित कुमार राय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक की उम्र करीब 45 वर्ष बताई जा रही है। शव की हालत और चेहरे व पैरों पर मिले नोचे जाने के निशानों से आशंका है कि उसे जंगल में पड़े काफी समय हो चुका था। हालांकि, मौत कब और किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

केडी चौकी प्रभारी अमित कुमार राय ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति के शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। फिलहाल उसकी शिनाख्त कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास के गांवों में भी जानकारी जुटाई जा रही है।



छात्राओं को बताए सुरक्षा और अधिकारों के रास्ते

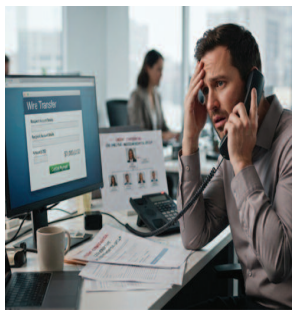


मिशन शक्ति फेज-6.0 के तहत गोविंद नगर पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

यूनिक समय, मथुरा। महिलाओं और छात्राओं को सुरक्षा, अधिकारों तथा सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने के लिए गोविंद नगर थाना पुलिस ने गुरुवार को अभियान चलाया। एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज-6.0 के तहत आयोजित कार्यक्रम में पुलिस टीम ने छात्राओं को मुसीबत के समय न घबराने, अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और जरूरत पड़ने पर पुलिस की मदद लेने के लिए प्रेरित किया।

पुलिस टीम ने बताया कि बस, रास्ते या सार्वजनिक स्थान पर छेड़खानी होने पर चुप रहने के बजाय तत्काल 1090 हेल्पलाइन या नजदीकी थाने में शिकायत करें। महिलाओं को 1076, 1090, 181, 112 और 1098 हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। साइबर अपराध की शिकायत के लिए 1930 नंबर का उपयोग करने के बारे में भी बताया गया। इसके साथ ही इंटरनेट मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल और यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया गया। छात्राओं को मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना की जानकारी देते हुए बताया गया कि इसके तहत यूपीएससी, यूपीपीएससी, नीट, जेईई, एनडीए और सीडीएस जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निशुल्क कोचिंग और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाता है। पुलिस टीम ने छात्राओं से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने और किसी भी परेशानी में बिना संकोच पुलिस से संपर्क करने की अपील की।

एक मिनट की आवाज से तैयार हो रहा क्लोन, एआई से ठगी का नया जाल



सीईओ और वकील की नकली आवाज बनाकर 1200 करोड़ की धोखाधड़ी का दावा

मथुरा में भी डिजिटल सतर्कता जरूरी

यूनिक समय, मथुरा। अब किसी की आवाज की हूबहू नकल तैयार करने के लिए घंटों की रिकॉर्डिंग की जरूरत नहीं है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से महज एक मिनट से भी कम की आवाज के नमूने से वॉयस क्लोन तैयार किया जा सकता है। साइबर अपराधी इसी तकनीक को ठगी का नया हथियार बना रहे हैं। परिचित, अधिकारी या कंपनी के बड़े अफसर की आवाज में फोन कर लोगों को रकम ट्रांसफर करने के लिए बरगलाया जा सकता है। अमेरिका और यूरोप में इस तकनीक के जरिए कंपनियों से करीब 1200 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी किए जाने का दावा सामने आया है।

अमेरिका के मिसौरी स्थित एक अस्पताल समूह में अकाउंटेंट को सीईओ की आवाज में फोन आया। फोन करने वाले ने गोपनीयता का हवाला देते हुए तत्काल रकम ट्रांसफर करने का निर्देश दिया। इसके बाद वकील की नकली आवाज में भी फोन आया। दोनों आवाजों पर भरोसा कर अकाउंटेंट ने करीब 45 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए। जांच में खुलासा हुआ कि फोन पर सुनाई दी आवाजें एआई से तैयार की गई थीं। मामले में तीन आरोपियों की स्पेन और ब्रिटेन में गिरफ्तारी की जानकारी सामने आई है।

मथुरा में भी सावधानी जरूरी, वीडियो से भी हो सकती है नकल

मथुरा में भी बैंकिंग, व्यापार और ऑनलाइन लेनदेन से जुड़े लोगों को इस तकनीक के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है। साइबर ठग किसी परिचित, अधिकारी या रिश्तेदार की नकली आवाज तैयार कर आपात स्थिति का हवाला देते हुए रुपये मांग सकते हैं। डीपफेक तकनीक से वीडियो में भी किसी का चेहरा और आवाज बदली जा सकती है। ऐसे में केवल आवाज सुनकर या वीडियो देखकर किसी की पहचान पर भरोसा करना भारी पड़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, किसी भी अनजान खाते में रकम भेजने से पहले संबंधित व्यक्ति से उसके पहले से सत्यापित मोबाइल नंबर पर बात कर पुष्टि करें। अचानक आए फोन पर गोपनीयता बनाए रखने या तुरंत भुगतान करने के दबाव में न आएं। बैंक खाते, ओटीपी और निजी जानकारियां साझा न करें। थोड़ी सी सावधानी एआई के इस नए ठगी के जाल से बचा सकती है।

कथावाचक इंद्रदेव पर शोषण का आरोप, वृंदावन पुलिस ने शुरू की जांच

यूनिक समय, वृंदावन। कथावाचक इंद्रदेव पर महाराष्ट्र की एक महिला ने शारीरिक शोषण और धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले में महाराष्ट्र के ठाणे जिले के काशीमीरा थाने में दर्ज एफआईआर वृंदावन कोतवाली स्थानांतरित होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने अपने आरोपों के समर्थन में पुलिस को ऑडियो रिकॉर्डिंग भी सौंपी है। पुलिस महिला के बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया में जुटी है।

महिला के अनुसार, अप्रैल 2023 में मुंबई के सांताक्रूज में आयोजित सत्संग के दौरान उसकी मुलाकात कथावाचक से हुई थी। उसने उनसे दीक्षा भी ली थी। दिसंबर 2023 में वह अपनी बेटियों के साथ वृंदावन परिक्रमा मार्ग स्थित सेवा धाम आश्रम पहुंची थी। आरोप है कि रात करीब साढ़े दस बजे उसे कथावाचक के कमरे में बुलाया गया। महिला का आरोप है कि कमरे के कैमरे बंद होने की बात कहकर दरवाजा बंद कर उसके साथ जबरदस्ती की गई।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि 17 जून 2026 को उसे फोन पर धमकी दी गई। इसके बाद उसने पुलिस से शिकायत की। अक्टूबर में काशीमीरा थाने में एफआईआर दर्ज की गई। सीओ संदीप सिंह ने बताया कि मामले की ऑनलाइन जांच वृंदावन कोतवाली स्थानांतरित हुई है। जांच उपनिरीक्षक अशेष कुमार को सौंपी गई है। उन्होंने पीड़िता से बयान दर्ज कराने के लिए संपर्क किया है।

महाराष्ट्र की महिला ने दर्ज कराई एफआईआर, धमकी देने का भी आरोप, ऑडियो रिकॉर्डिंग सौंपी

भाई दूज के बाद वार्ड 40 में चला सफाई अभियान

यूनिक समय, मथुरा। भाई दूज का पर्व संपन्न होने के बाद नगर निगम की ओर से वार्ड नंबर 40 में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के तहत क्षेत्र की गलियों, सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर सफाई कराई गई। त्योहार के दौरान जगह-जगह जमा हुए कूड़े और गंदगी को हटाकर क्षेत्र को स्वच्छ बनाया गया। सफाई अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर विशेष ध्यान दिया गया। लोगों से भी अपने आसपास साफ-सफाई रखने और कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने की अपील की गई। अभियान का उद्देश्य त्योहार के बाद वार्ड में स्वच्छ वातावरण बनाए रखना और नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना रहा।

राधारानी ब्रज यात्रा का बलदेव में पुष्पवर्षा कर स्वागत

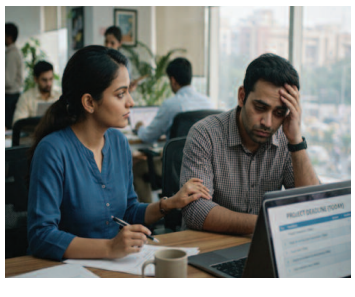
यूनिक समय, बलदेव (मथुरा)। बरसाना के ब्रह्मलीन संत पद्मश्री रमेश बाबा की राधारानी ब्रज यात्रा के बलदेव पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने भव्य स्वागत किया। गुरुवार को कस्बे में जगह-जगह यात्रा में शामिल संतों और भक्तों पर फूल बरसाए गए। लोगों ने माला पहनाकर और दुपट्टा ओढ़ाकर अभिनंदन किया।

मंदिर परिसर में बाबा नृसिंह दास ने दाऊ जी महाराज की महिमा में रसिया सुनाया। राधाकांत शास्त्री ने दाऊ जी महाराज को ब्रज का राजा बताते हुए मुगलकाल में उनकी वीरता और महिमा के प्रसंग सुनाए। स्वागत करने वालों में अमित भारद्वाज, पीयूष मित्तल, मनोज अग्रवाल, विष्णु शर्मा, बिल्लू शर्मा, पिंकू दिवाकर सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

सिर्फ इच्छाशक्ति नहीं, परवरिश और माहौल भी तय करते हैं इंसान का व्यवहार

दूसरों को दोष देने के बजाय उनकी परिस्थितियों को समझें रिश्तों में घटेगा तनाव और समाधान के खुलेंगे नए रास्ते

यूनिक समय, नई दिल्ली। किसी की गाड़ी आपकी कार से टकरा जाए, सहकर्मी समय पर काम पूरा न करे या परिवार का कोई सदस्य गुस्से में कुछ कह दे तो हम अक्सर उसे लापरवाह, गैर-जिम्मेदार या स्वार्थी मान लेते हैं। लेकिन क्या उसके व्यवहार के पीछे तनाव, नींद की कमी, पारिवारिक परेशानी या आसपास का दबाव भी हो सकता है? किसी के व्यवहार को



समझने के लिए केवल उसकी गलती देखना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन परिस्थितियों को समझना भी जरूरी है, जिनमें वह गलती हुई।

विकासवादी जीवविज्ञानी तारा-लिन कैमिलेरी ने अपने अध्ययन में इंसान के व्यवहार और स्वतंत्र इच्छाशक्ति की धारणा पर सवाल उठाए हैं। उनका मानना है कि व्यक्ति के फैसले केवल उसकी इच्छाशक्ति से तय नहीं होते, बल्कि जैविक स्थिति, आनुवंशिकी, परवरिश, जीवन के अनुभव और मौजूदा माहौल भी उन्हें प्रभावित करते हैं।

कैमिलेरी के अनुसार, हम अक्सर किसी की गलती पर यह सोचने लगते हैं कि वह चाहता तो दूसरा रास्ता चुन सकता था। जबकि उसकी परिस्थितियों को समझने की कोशिश नहीं करते।

उनका सुझाव है कि कम से कम दो सप्ताह तक दूसरों के व्यवहार को केवल उनकी स्वतंत्र इच्छा या आत्मनियंत्रण से जोड़कर देखने के बजाय उसके पीछे के कारणों को समझने का प्रयास करें। इससे व्यक्ति को दोषी ठहराने और गुस्सा करने के बजाय समस्या का समाधान खोजने की सोच विकसित होगी।

अध्ययन में नशे की लत और आपराधिक व्यवहार के संदर्भ में भी सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों की भूमिका पर जोर दिया गया है। केवल आत्मनियंत्रण की कमी मानकर सख्त सजा देने के बजाय व्यक्ति के आसपास के माहौल, आर्थिक स्थिति और सामाजिक परिस्थितियों में सुधार करना अधिक प्रभावी हो सकता है।

रिश्तों में भी आएगा सकारात्मक बदलाव

इस सोच को रोजमर्रा के रिश्तों में अपनाया जा सकता है। किसी की गलती पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय यह समझने की कोशिश करें कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों बनी। तनाव, असुरक्षा, पारिवारिक दबाव और खराब अनुभव व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं। दूसरों को दोष देने के बजाय कारणों को समझने की आदत न केवल गुस्सा कम कर सकती है, बल्कि रिश्तों में संवाद और समाधान के नए रास्ते भी खोल सकती है।